दैनिक
कारखाने का सफर

आजकल आदमी की दिनचर्या कारखाने की तरह दिन-रात चल रही है, इस दिनचर्या पर ही इस अखबार का नाम रखा गया है

वर्ष 6, अंक 96 | भोपाल, शुक्रवार 17 अक्टूबर, 2025 | कार्तिक कृष्ण पक्ष, एकादशी, 2082 | मूल्य 2 रुपए

रूस से तेल की खरीद... पेज 5

श्रीशैलम मंदिर जहां होता है शिव.. पेज 7

(श्रृंखला -8)

भेल कर्मचारियों की सहकारी संस्था बीएचईई थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट को- आपरेटिव सोसायटी में वर्तमान संचालक मंडल शुरू से ही मूक बधिर बना रहा

- संचालक मंडल अगर शांत बैठा रहे तो समझ जाना चाहिए कि बहती गंगा में वो भी हाथ धो रहा है, अगर नहीं तो कर्मचारियों के बीच उसने अपनी बात क्यों नहीं रखी
- क्योंकि भेल कर्मचारियों की जितनी एफडी जमा हैं, उससे आधा पैसा सोसायटी के पास है, इससे सोसायटी की डांवाडोल आर्थिक स्थिति का अंदाजा लगता है
- भेल कर्मचारियों के अनुसार पूरी सोसायटी भेल प्रबंधन की जानकारी में संचालित होती है, तो इस समय चल रहे विवाद में वो हस्तक्षेप क्यों नहीं कर रहा
- भेल कर्मचारियों की एक सोसायटी भेल उपभोक्ता सहकारी भंडार वर्षों तक विवादो में रही और उसके बाद ताले लग गए, उसके बारे में सोचकर इस सोसायटी को लेकर चिंता करना लाजमी है
- भेल कर्मचारियों की इसकी भी जानकारी होना चाहिए कि इस सोसायटी के किस-किस बैंक में खाते हैं और कितना पैस जमा है और वहां से निकाला जा रहा पैसा कहां खर्च हो रहा है

दैनिक कारखाने क सफर । भोपाल

भेल कर्मचारियों की सहकारी संस्था बीएचईई थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट को- आपरेटिव सोसायटी के संचालक मंडल में अभी भी खींचतान जारी है। एचईटी ब्रांच में खाता होल्ड होने के बाद भेल कर्मचारियों यानि सदस्यों

को इसका असर पड़ा, लेकिन कर्मचारियों की सोसायटी को अपना समझने वाले संचालकों पर कोई असर नहीं पड़ा। क्योंकि एक खाता बंद होने के बाद दूसरे कई खातों से लेनदेन लगातार जारी है। पुराने शहर के व्यापारियों से लगातार खरीदारी चल रही है और उन्हें भुगतान हो रहा है। अधिकृत कंपनियों या बेस्ट प्राइज जैसी संस्थाओं से खरीदी पूरी तरह से बंद कर दी गई। भेल कर्मचारी इसका कारण पूछ रहा है, लेकिन एक भी संचालक यह नहीं बता पा रहा है। क्योंकि सोसायटी को पूरी तरह से हमाम बना दिया गया है। कई मदों के पैसे सोसायटी के पास नहीं है, क्योंकि बैंको में ओवर ड्राफ्ट चल रहा है। शिक्षा सहित कई मद का पैसा कहां खर्च हुआ, उसकी भी जानकारी कोई संचालक नहीं दे पा रहा है। आखिर भेल कर्मचारी यानि सोसायटी का सदस्य कब तक इन अव्यवस्थाओं को सहन करे, इसका भी जवाब किसी के पास नहीं है। लेकिन यह तय है कि सोसायटी की यही स्थिति रही तो वो दिन याद करना चाहिए जब सदस्यों ने अपनी एफडी वापस लेने के लिए भी सोसायटी में लाइन लगाई थी।

कर्मचारी संचालकों से कहते हैं कि-
मेरे मौन को, मेरी कमज़ोरी मत समझ लेना,
तुम अपने ख़यालात को, सच मत समझ लेना !
मैं सुनता हूं सभी की बात को दिल लगा कर,
जवाब न दे पाना, मेरी मज़बूरी मत समझ लेना !
ये तो मेरी शराफत है कि सहता हूँ हर सितम,
मेरी इस आदत से, मुझे कायर मत समझ लेना !
मेरा तो ये उसूल है कि हर बात की जड़ समझूँ,
मेरे ख़यालात पर, मुझे पागल मत समझ लेना !
शब्दों की चोट तन पर नहीं दिल पर घाव करती है,
इस फ़लसफे को, कोरी बकबास मत समझ लेना !

इस श्रृंखला में शुरू हुए हर रोज एक संचालक के इंटरव्यू में आज दूसरे दिन संचालक *राजमल बैरागी से खुलकर बातचीत*

आप तो सत्ता में थे फिर विवाद क्यों पैदा किया

दैनिक कारखाने का सफर अखबार ने भेल कर्मचारियों को उनकी ही बीएचईई थ्रिफ्ट सोसायटी में चल रहे घमासान के बारे में पूरी जानकारी उसकी कमजोरियों के बारे में अवगत कराने की श्रृंखला शुरू की है। इस श्रृंखला में गत दिवस से संचालकों के इंटरव्यू भी प्रकाशित करने काक्रम शुरू किया है। गुरवार को पहले इंटरव्यू में भेल कर्मचारियों ने पढ़ा कि दीपक गुप्ता विपक्ष में होने के बाद सोसायटी में अध्यक्ष को संकट से उबारने पहुंच गए। अब दूसरे दिन शुक्रवार को सत्ता पक्ष में रहे संचालक राजमल बैरागी की इंटरव्यू प्रकाशित कर रहे हैं, आखिर समर्थन क्यों वापस लेकर विवाद की स्थिति पैदा की।

सवाल- सत्ता में रहते हुए तो आपको सोसायटी की कमजोरियों को छुपाना चाहिए था ?

जवाब- हमने विवाद पैदा नहीं किया। हम पांच संचालकों द्वारा बोर्ड मीटिंग 7/11/2023 को थ्रिफ्ट सोसायटी को पारदर्शिता के साथ संचालित करने के लिये संस्था के बचत बाजार, सहकारी वस्त्रालय एवं अन्य कार्यों हेतु 12 करोड़ रुपए सालाना की पर्चेज के लिए पर्चेज पॉलिसी और जब तक पर्चेज पॉलिसी नहीं बन जाती पर्चेज कमेटी की बात रखी गई थी। इसके साथ ही लगभग 140 करोड़ रुपए की संस्था को सुचारू रूप से पारदर्शिता पूर्वक संचालित करने के लिये कर्मचारी सेवा पॉलिसी (भर्ती, प्रमोशन एवं वेज रिवीजन एवं संस्था कर्मचारियों से जुड़े अन्य मुद्दे हेतु) लाने कि बात इन्हीं 5 संचालकों द्वारा थ्रिफ्ट सोसायटी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की मीटिंग में रखा, जिसका सर्वसम्मति से समर्थन किया गया।

बार बार कहने के बाद भी एक साल तक अध्यक्ष द्वारा इस पर कोई संज्ञाएं नहीं लिया गया। क्योंकि उनको पारदर्शिता संस्था में लाना ही नहीं था, लेकिन हम 5 संचालकों द्वारा अध्यक्ष को फिर से कहा गया हैं कि पर्चेज पॉलिसी और सर्विस रुल कब तक बनवाए जायेगे। बार बार कहने पर एक्सपर्ट मध्यप्रदेश सहकारी संघ के जोशी को थ्रिफ्ट सोसायटी द्वारा बायलॉज संशोधन, पर्चेज पॉलिसी एवं सर्विस रुल हेतु 75 हजार रुपए राशि निर्धारित करी गई एवं बनवाने की बात कही, जिससे समय रहते दोनों पॉलिसी थ्रिफ्ट सोसायटी में लागू करवाया जा सके। अध्यक्ष के पास पॉलिसी बनकर आने के बाद भी पर्चेज पॉलिसी एवं सर्विस रुल बोर्ड के सामने नहीं रखी गई और लगातार टालने का काम किया गया। अध्यक्ष से खरीदी हेतु पर्चेज कमेटी बनाने की बात लगातार करते रहे, लेकिन उनके द्वारा पर्चेज कमेटी नहीं बनाई गई। इसी बीच अध्यक्ष द्वारा आर्किटेक्ट मनोचा के द्वारा बिल्डिंग मेंटिनेंस के लिए 75 लाख का स्टीमेट बनवाया गया और उसे पास करवाने की कोशिश बोर्ड में की गई। जिसका हम 5 संचालकों द्वारा घोर विरोध किया गया और उस समय के विपक्षी संचालकों द्वारा भी बसंत कुमार का विरोध किया गया था। तब अध्यक्ष ने अकेला पड़ते देख नया खेल खेलने की कोशिश की और सत्ता पलटने के प्रयास जारी कर दिए। 14/08/2025 को थ्रिफ्ट संचालकों की बोर्ड मीटिंग में ऊपर लिखे प्रस्तावों पर विवाद हुआ एवं राजेश शुक्ला, आशीष सोनी,निशा वर्मा, राजमल बैरागी और रजनीकांत चौबे के प्रस्ताव के लिए सभी संचालकों द्वारा सराहना की गई। तब अध्यक्ष मीटिंग बीच में छोड़कर भाग गए और निशांत नंदा द्वारा अध्यक्ष को मीटिंग छोड़ने पर अपशब्द कहा एवं हाथ पकड़कर खींचकर बोर्ड रुम में लाने की कोशिश की गई। जवाब न होने के कारण मीटिंग छोड़कर भागने का अध्यक्ष बसंत कुमार का इतिहास है इसी कारण संचालक निशांत नंदा द्वारा बसंत कुमार को अपशब्द की संज्ञा दी गई है। वो आम सभा में भी सभी सदस्यों के जवाब से बचने के लिए भाग खड़े हुए थे आम सभा 21/09/2025 में सभी सदस्यों ने देखा हैं।

राजमल बैरागी

अध्यक्ष के रूम पर ताला क्यों लगाया गया ?

-इसके लिए भी थोड़ा भूतकाल में जाना जरूरी है जब चुनाव हो गए प्रगतिशील पैनल के 5 सदस्य जीतकर आए राजेश शुक्ला को साथ लेकर (3 संचालकों आशीष सोनी, राजमल बैरागी, रजनीकांत चौबे ने समझौता कर) अध्यक्ष बसंत कुमार को एवं उपाध्यक्ष राजेश शुक्ला को बनाया गया। सचिव निशा वर्मा बनाई गई। उस समय भी इन्हीं पांच संचालकों कमलेश नागपुरे, किरण अनूप धामने, निशांत नंदा, दीपक गुप्ता एवं राजकुमार ईड़पांची द्वारा निशा वर्मा के घर जाकर उसे अध्यक्ष बनने का ऑफर एवं दबाव बनाया गया, लेकिन निशा वर्मा द्वारा नैतिकता का परिचय देते हुए एवं प्रगतिशील पैनल के घोषणा पत्र के अनुसार अध्यक्ष बसंत कुमार होगे को मानते हुए सभी संचालकों ने साथ देकर बसंत कुमार को अध्यक्ष बनाया गया। उस समय ऊपर लिखित पांच संचालकों ने निशा के साथ साथ राजेश शुक्ला,आशीष सोनी एवं राजमल बैरागी को भी अध्यक्ष बनने का ऑफर दिया था। बसंत कुमार जब अध्यक्ष बन गए और संस्था का कामकाज चालू हुआ तो आशीष सोनी, राजमल बैरागी एवं रजनीकांत चौबे द्वारा संचालक कक्ष के बारे में पूंछा गया, तब बसंत कुमार द्वारा कहा गया कि अलग से संचालक कक्ष मत बनवाए आप सभी हमारे कक्ष में ही बैठिए। क्योंकि आप लोगों से हमे 10 बार काम पड़ेगा और आपको हमसे, आप हमारे रुम में ही बैठेंगे तो संवाद अच्छे से हो जाएगा और अगर अलग संचालक कक्ष बनाएंगे तो इन विपक्षी 5 संचालकों की दूसरी कारगुजारी यहां चालू हो जाएगी। तब 5 संचालकों द्वारा कहा गया कि सर अब जो होना है हो गया आप 11 संचालकों को विश्वास में एवं साथ लेकर चले सभी को मिलकर संस्था चलानी है लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

14/08/2025 की बोर्ड मीटिंग से भागने के बाद 18/08/2025 को सर्वप्रथम अध्यक्ष द्वारा अपने कक्ष पर ताला लगाया गया जिसको खुलवाने के लिये संचालकों ने अध्यक्ष को कॉल किया लेकिन उनके द्वारा कॉल रिसीव नहीं किया तब संचालकों ने संस्था के मैनेजर नवीन नागपाल से ताले की चाबी मांगी गई तब मैनेजर ने इन्हें चाबी दी और इन्होंने ताला खोला एवं अध्यक्ष के कक्ष में बैठकर संस्था के कार्य किए। मैनेजर नवीन नागपाल के द्वारा चाबी देने के कारण अध्यक्ष द्वारा मैनेजर और संस्था के सभी कर्मचारियों को धमकाया गया कि आप ने चाबी क्यों दी । उसके बाद दिनांक 19/08/2025 को अध्यक्ष द्वारा ताला लगाकर फिर चाबी अपने साथ लेकर बीएचईएल आ गए। दोबारा संचालक जब थ्रिफ्ट सोसायटी गए ताला लगा देख इन्होंने अध्यक्ष को फिर कॉल किया और उनको बताया कि आज फिर आपके द्वारा ताला लगाया गया हैं ऐसा आप क्यों कर रहें हो तब अध्यक्ष द्वारा इन्हें ये जावाब दिया कि जब में थ्रिफ्ट सोसायटी में आऊंगा तब ही आप आए ओर बैठे वरना आप संस्था मत आए। इन्होंने तब भी उनको कहा कि हम तो हमेशा से आपको कह रहें कि हम संचालकों की आप बैठक व्यवस्था करवाए हमें आपके कमरे में नहीं बैठना हैं। जब संस्था मैनेजर नवीन नागपाल से रोजमर्रा के कार्य हेतु संस्था के दस्तावेज एवं चैक आदि की जानकारी मांगी तो उनके द्वारा बताया गया कि सब अध्यक्ष जी द्वारा अपने कक्ष में रख लिया गया है तब ही संस्था के दस्तावेज का दुरुपयोग ना हो ये सोचकर इनके द्वारा ताले के ऊपर ताला लगा दिया इन्होंने सोचा था अध्यक्ष आकर कॉल करेंगे और ये जाकर ताला खोलकर और उनसे बातचीत करके कार्यों को सुचारू रूप से करेंगे, लेकिन 19/08/2025 को अध्यक्ष द्वारा पूरी प्लानिंग के साथ संचालको दीपक गुप्ता, निशांत नंदा और किरण अनूप धामने को बुलाकर ताला तुड़वा दिया गया एवं फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करके मीडिया में प्रचार किया गया उस दिन से ही अध्यक्ष ने विवाद की नींव रखी।

एक संचालक दीपक गुप्ता द्वारा आपके अखबार के माध्यम से बताया गया कि अध्यक्ष को प्रताड़ित किया गया है, मै उन संचालक को बताना चाहता हूं कि अध्यक्ष को हमने पर्चेज पॉलिसी बनाने,सर्विस रूल बनाने,जब तक पर्चेज पॉलिसी नहीं बन जाती तब तक पर्चेज कमेटी बनाने,सदस्यों को दिए जाने वाले लोन की कमेटी बनाने के लिए प्रताड़ित किया है। संस्था को पारदर्शिता के साथ चलाने के और सभी संचालकों को सारी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए प्रताड़ित किया गया है और संस्था को पारदर्शी तरीके से चलाने के लिए हम बार बार अध्यक्ष को प्रताड़ित करेंगे।

(दैनिक कारखाने का सफर अखबार में 9 वी श्रृंखला में शनिवार को पढ़िए भेल कर्मचारियों यानि साढ़े चार हजार सदस्य अनिभिज्ञ हैं कि सोसायटी के कई खाते हैं)

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर गोलीबारी, फिलहाल 48 घंटे का युद्धविराम

दैनिक कारखाने क सफर । एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर मंगलवार रात फिर से झड़पें हुईं, जिसमें सैनिकों और नागरिकों की मौत की खबरें सामने आई हैं। बता दें कि दोनों देशों ने 48 घंटे के लिए युद्धविराम पर सहमति जताई, जिसे एक-दूसरे ने अनुरोध किया था। मौजूदा जानकारी के अनुसार, झड़पों के कुछ ही घंटे बाद पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल और कंधार प्रांत में हवाई हमले किए। पाकिस्तान की सेना ने बताया कि दक्षिणी कंधार के स्पिन बोल्डक क्षेत्र और उत्तर-पश्चिमी सीमा पर तालिबान के दो बड़े हमलों को नाकाम किया गया, जिसमें लगभग 20 तालिबानियों की मौत हुई। उत्तर-पश्चिमी सीमा पर रातभर की झड़पों में लगभग 30 और लोग मारे गए।

अफगान अधिकारियों ने कहा कि सीमा पर हुई नई हिंसा में 15 नागरिकों की मौत हुई और दर्जनों घायल हुए। वहीं, पाकिस्तान के ओरकजई जिले में छह अर्धसैनिक जवान मारे गए और कई घायल हुए। तालिबान प्रवक्ता ज़बिहुल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तानी बलों पर हल्के और भारी हथियारों से हमले करने का आरोप लगाया। गौरतलब है कि यह झड़प पिछले सप्ताहांत की घटनाओं का असर भी है, जब अफगानिस्तान ने काबुल में हमले के जवाब में पाकिस्तान पर हमला किया था। पाकिस्तान ने उत्तर-पश्चिमी कुर्रम क्षेत्र में "अकारण" फायरिंग का जवाब दिया, जिसमें कई तालिबान मारे गए और उनके ठिकाने तथा एक टैंक नष्ट हुआ।

अफगान सेना ने भी कई पाकिस्तानी सैनिकों को मार डाला और हथियार व टैंक जब्त किए। स्थानीय प्रवक्ता अली मोहम्मद हक़मल के अनुसार, स्पिन बोल्डक क्षेत्र में मोर्टार हमले में 15 नागरिक मारे गए और 80 से अधिक महिलाएं व बच्चे घायल हुए। कतर और सऊदी अरब की मध्यस्थता के बाद कुछ तनाव कम हुआ है, लेकिन सीमा पर हालात अभी भी नाजुक हैं और नागरिक सुरक्षा चुनौतीपूर्ण बनी हुई है हैं।

मिशन बिहार के लिए बीजेपी ने उतारी दिग्गजों की फौज, पीएम मोदी-शाह समेत 40 स्टार प्रचारक करेंगे शंखनाद

दैनिक कारखाने क सफर । एजेंसी नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 40 स्टार प्रचारकों की अपनी सूची जारी की है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह व अमित शाह समेत कई शीर्ष नेता शामिल हैं। इस सूची में कई प्रमुख नेता, मुख्यमंत्री और मशहूर हस्तियां शामिल हैं। इसमें भाजपा के 5 मुख्यमंत्री- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस शामिल हैं। इस सूची में कुछ समय के लिए राजनीतिक सुर्खियों से दूर रहे लोगों को भी शामिल किया गया है, और जिन लोगों को चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं मिला है, उनमें पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी सबसे बड़ा नाम हैं, जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, राधा मोहन सिंह, साध्वी निरंजन ज्योति और अश्विनी कुमार चौबे भी शामिल हैं। उनके अलावा, बिहार के दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय

कुमार सिन्हा, पूर्व डिप्टी सीएम रेनू देवी और कई अन्य राज्य मंत्री भी शामिल हैं।

सूची में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय जल मंत्री सीआर पाटिल, डॉ. दिलीप कुमार जयसवाल, प्रेम कुमार, नित्यानंद राय, सतीश चंद्र दुबे, राज भूषण चौधरी, अश्विनी कुमार चौबे, राजीव प्रताप रूडी, डॉ. संजय जयसवाल, विनोद तावड़े, बाबूलाल मरांडी, प्रदीप कुमार सिंह, गोपालजी ठाकुर और जनक राम भी शामिल हैं। इसमें भोजपुरी सिनेमा के कुछ बड़े नाम, अभिनेता-गायक से राजनेता बने पवन सिंह, मनोज तिवारी, रवि किशन, दिनेश लाल यादव "निरहुआ" भी शामिल हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 17 अक्टूबर है, जबकि मतदान 6 नवंबर को होगा। इससे पहले बुधवार को भारतीय जनता पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की, जिसमें 18 नाम शामिल थे।

नक्सलवाद पर सबसे बड़ी चोट! छत्तीसगढ़ में 170 नक्सलियों ने डाला हथियार, शाह बोले- ऐतिहासिक दिन

दैनिक कारखाने क सफर । एजेंसी नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ पहाड़ी वन क्षेत्र और उत्तरी बस्तर को नक्सल मुक्त घोषित कर दिया। 170 माओवादियों ने आज आत्मसमर्पण कर दिया। वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में इसे एक ऐतिहासिक दिन बताते हुए शाह ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में 170 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। कल राज्य में 27 ने हथियार डाल दिए थे। महाराष्ट्र में कल 61 नक्सली मुख्यधारा में लौट आए। कुल मिलाकर, पिछले दो दिनों में 258 युद्ध-प्रशिक्षित वामपंथी उग्रवादियों ने हिंसा का त्याग किया है। यह हालिया आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 10 महिलाओं सहित 27 माओवादियों द्वारा सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण करने के एक दिन बाद

हुआ है। इस समूह में उग्रवादी नेटवर्क की सबसे खतरनाक इकाइयों में से एक, खूंखार पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन-01 के दो कट्टर कार्यकर्ता भी शामिल थे। आत्मसमर्पण करने वाले और मुख्यधारा में शामिल हुए माओवादियों का स्वागत करते हुए, शाह ने हिंसा का त्याग करने और भारत के संविधान में आस्था रखने के उनके निर्णय की सराहना की।

शाह ने कहा कि मैं हिंसा का त्याग करने और भारत के संविधान में आस्था रखने के उनके निर्णय की सराहना करता हूँ। यह इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा इस समस्या को समाप्त करने के अथक प्रयासों के कारण नक्सलवाद अब अपनी अंतिम साँसें ले रहा है। शाह ने आगे घोषणा की कि छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तरी बस्तर को आज नक्सली आतंक से मुक्त घोषित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, "यह बेहद खुशी की बात है कि छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तरी बस्तर, जो कभी आतंकवादियों के गढ़ थे, आज नक्सली आतंक से मुक्त घोषित कर दिए गए हैं।" उन्होंने कहा कि दक्षिण बस्तर में अब नक्सलवाद के केवल निशान ही बचे हैं और उन्होंने संकल्प लिया कि सुरक्षा बल जल्द ही इस समस्या का सफाया कर देंगे।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय
गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706

ग्वालियर के महाराज बाड़ा में त्योहार के नाम पर हॉकर्स से वसूली, पुलिस-निगम के साथ फड़ माफिया कर रहे उगाही

दैनिक कारखाने का सफर। ग्वालियर

त्योहार के साथ महाराज बाड़ा क्षेत्र में जैसे-जैसे फुटपाथ पर दुकानें लगाने वाले लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे वसूली की दरें भी बढ़ रही हैं। नगर निगम और पुलिस के अलावा सत्तारूढ़ पार्टी के नेता भी हॉकर्स से रोजाना मोटी रकम वसूल रहे हैं। वसूली की राशि कारोबार के प्रकार और दुकान के आकार पर तय होती है। फुटपाथ पर दुकान लगाने के बदले एक हॉकर को 200 रुपए से लेकर 1000 रुपए तक देने पड़ते हैं। इनकी वसूली इन्हीं के बीच रहने वाले लोगों से कराई जाती है, ताकि पकड़े जाने पर कोई परेशानी न हो। खौफ ऐसा कि फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले मुंह खोलने तक को तैयार नहीं हैं। प्रदेश सरकार का आदेश है कि त्योहार के दौरान रोड किनारे व मुख्य बाजारों में ऐसे स्थानों पर जिनसे ट्रैफिक बाधित न हो, वहां गरीबों को कारोबार करने दिया जाए।

लेकिन इसके विपरीत पुलिस और नगर निगम का मैदानी अमला कारोबार के लिए स्थान देने के बदले हॉकर्स से मोटी रकम वसूल रहा है। नाम न छापने की शर्त पर बाड़े के कुछ हॉकर्स ने दैनिक भास्कर से वसूली की प्रक्रिया साझा की। महाराज बाड़े पर स्थायी रूप से बैठने वाले कुछ हॉकर्स ने दीपावली के त्योहार को देखते हुए दीपावली तक अपनी जगह छह हजार रुपए किराए पर दूसरे हॉकर्स को दे दी है। इसमें निगम के पुराने मुख्यालय के पास स्थित स्टेट बैंक के बाहर बैठने वाले मोची शामिल हैं। इन दिनों उनकी दुकानें नहीं लग रही हैं। वे त्योहार के बाद वापस अपने स्थान पर लौट आएंगे। निगम का मदखलत अमला प्रत्येक हॉकर से 50 रुपए से लेकर 300 रुपए तक रोजाना वसूलता है। राशि न देने पर अतिक्रमण विरोधी मुहिम के नाम पर ऐसे हॉकर्स का सामान जब्त कर उसकी जगह दूसरे को बैठा दिया जाता है।

पुलिस महाराज बाड़ा क्षेत्र में तैनात पुलिस अमला भी हॉकर्स से जमकर वसूली करता है। पुलिस के रेट नगर निगम के मुकाबले ज्यादा हैं। दुकान के आकार और दुकान लगाने के स्थान के अनुसार 200 रुपए से 1000 रुपए तक रोजाना एक हॉकर से वसूले जाते हैं। एफआरवी डायल 112 के नाम से तैनात फर्स्ट रिस्पांस व्हीकल में तैनात स्टाफ को भी हॉकर्स से उम्मीद रहती है। यह सिस्टम में नया बदलाव है। इस स्टाफ को पैसे न देने पर दुकानें पीछे करने और रोड से हटाने की धमकियां शुरू हो जाती हैं। फड़ माफिया सत्तारूढ़ पार्टी में पद पाने के साथ ही कुछ छुटभैये नेता यहां फड़ माफिया के रूप में काम कर रहे हैं। नजरबाग मार्केट की साइड उनके फड़ लाइन से लगते हैं। इन फुटपाथियों से वसूली उन्हीं के लोगों द्वारा की जाती है। बाड़े के हॉकर्स से रोजाना हजारों रुपए की वसूली होती है, लेकिन निगम और पुलिस दोनों ही विभागों का वसूली का तरीका ऐसा है कि कोई पकड़कर साबित ही नहीं कर सकता। कारण दोनों ही विभाग के मैदानी अमले ने हॉकर्स के बीच में से ही कुछ लोग छांटकर उन्हें वसूली का काम दे दिया है। इसके बदले उन्हें निर्धारित हिस्सा मिलता है। एडीएम ग्वालियर सीबी प्रसाद ने कहा कि दीपावली त्योहार पर गरीब और जरूरतमंद लोग अपना व्यापार कर सकें। इसके लिए प्रशासन ने शहरभर में अलग-अलग जगह दी है। इन लोगों से किसी भी प्रकार की वसूली अवैध है। यदि कोई भी व्यक्ति पुलिस, प्रशासन और निगम के नाम पर वसूली कर रहा है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की टीम भी बाड़ा सहित अन्य बाजारों की मॉनिटरिंग भी कर रही है।

भीम आर्मी नेताओं पर युवक को धमकी का आरोप

सवर्ण समाज के साथ थाने पहुंचा युवक, पुलिस जांच जारी

दैनिक कारखाने का सफर। ग्वालियर

ग्वालियर जिले के डबरा में एक युवक ने भीम आर्मी के नेताओं के खिलाफ जान से मारने और झूठे केस में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। युवक ने सवर्ण समाज के सदस्यों के साथ सिटी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। अररु निवासी धर्मेंद्र जाट ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले उन्होंने वकील अनिल मिश्रा के समर्थन में एक पोस्ट की थी। इसके बाद उन्हें क्राइम ब्रांच से नोटिस भी मिला था।

धर्मेंद्र के अनुसार, 15 अक्टूबर को आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष परवेंद्र गौरपड़े ने उन्हें फोन पर गाली-गलौज की और जान से मारने के साथ-साथ झूठे एससी/एसटी एक्ट में फंसाने की धमकी दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सतीश पांडे नामक एक अन्य युवक ने भी उन्हें फोन कर झूठे केस में फंसाने और डबरा छोड़ने के लिए मजबूर करने की धमकी दी। इन धमकियों से आहत होकर धर्मेंद्र जाट शाम सवर्ण समाज के साथ सिटी थाने पहुंचे। वहां उन्होंने भीम आर्मी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुलिस को कार्रवाई के लिए आवेदन सौंपा। शहर थाना प्रभारी यशवंत गोयल ने बताया कि मामले को जांच में लिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फरियादी धर्मेंद्र जाट ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि वह इन धमकियों से काफी डरा हुआ है।

पांच लाख कर्मचारियों की पदोन्नति पर बड़ी बैठक आज

हाईकोर्ट के निर्देश पर मुख्य सचिव ने बुलाई अफसरों की बैठक, विभागों की आडिट रिपोर्ट तैयार होगी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मप्र में करीब पांच लाख कर्मचारियों की पदोन्नति के लंबे समय से अटके मामलों पर अब तेजी आने की उम्मीद है। इसी सिलसिले में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने आज मंत्रालय में सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और विभागाध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। यह बैठक जबलपुर हाईकोर्ट के गुरुवार को दिए गए निर्देशों के आधार पर बुलाई गई है। कोर्ट ने कहा था कि विभागवार आडिट रिपोर्ट मिलने के बाद ही पदोन्नति से संबंधित कोई निर्णय लिया जा सकता है। आडिट रिपोर्ट के बिना डीपीसी (विभागीय पदोन्नति समिति) की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बैठक में मुख्य सचिव और सामान्य प्रशासन विभाग (GAD) के अधिकारी सभी विभागों को यह निर्देश देंगे कि वे अपने-अपने विभागों की संख्यात्मक स्थिति (यानी एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों का प्रतिनिधित्व किस स्तर पर है।) स्पष्ट करें। साथ ही, 17 जून 2025 को जारी नई पदोन्नति नीति और नियमों की जानकारी भी दी जाएगी। सूत्रों के अनुसार, राज्य के 55 विभागों में से 30 की आडिट रिपोर्ट तैयार हो चुकी है, जबकि बाकी विभागों की रिपोर्ट प्रक्रिया में है। बैठक में इन अधूरी रिपोर्टों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए जाएंगे।

गौरतलब है कि नई प्रमोशन नीति जारी होने के बाद GAD ने सभी विभागों से पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू कर सूचियां तैयार करने को कहा था, लेकिन इस बीच हाईकोर्ट ने पदोन्नति पर रोक लगा दी थी। अब सरकार कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप सीलबंद लिफाफे में प्रमोशन सूची तैयार करने की योजना बना रही है, ताकि कोर्ट का अंतिम आदेश आते ही सूची जारी की जा सके। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि सरकार चाहें तो नई पॉलिसी के आधार पर रिपोर्ट तैयार कर लें, लेकिन जब तक अदालत की अनुमति न हो, पदोन्नति के आदेश जारी नहीं किए जा सकेंगे। बता दें कि 30 अप्रैल 2016 को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने 'मप्र लोक सेवा (पदोन्नति) नियम 2002' की वह कंडिका समाप्त कर दी, जिसमें प्रमोशन में आरक्षण देने का प्रावधान था। इसके खिलाफ सरकार सुप्रीम कोर्ट गई थी, जहां से यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश मिले थे। इसके बाद सरकार ने नई प्रमोशन पॉलिसी बनाई, जिस पर फिर से याचिकाएं लगने के बाद हाईकोर्ट ने पदोन्नति पर रोक लगा दी थी। इस दौरान सरकार ने अदालत में नई नीति के तहत फिलहाल कोई प्रमोशन न करने की मौखिक अंडर टेकिंग दी थी।

बाघों की होगी शिफ्टिंग, एमपी के बाघों से आबाद होंगे राजस्थान, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के टाइगर रिजर्व

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मप्र के बाघ जल्द ही राजस्थान के वीरान पड़े मुकुंदरा हिल और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में दहाड़ेंगें। ओडिशा के देबरीगढ़ वाइल्ड लाइफ सेंचुरी और छत्तीसगढ़ के अचानकमार टाइगर रिजर्व में भी बाघ चहलकदमी करेंगे। मप्र सरकार 20 नवंबर के बाद इन तीनों राज्यों को 10 बाघ देने जा रहा है। मप्र के पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ शुभरंजन सेन ने तीनों राज्यों के पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ को पत्र लिखकर कहा है कि 20 नवंबर तक बाघों की शिफ्टिंग, सॉफ्ट रिलीज के लिए बाड़े बनाने, ट्रैकिंग के लिए रेडियो कॉलर समेत सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर लें। इसके बाद मप्र के टीम आकर इंतजामों का मुआयना करेगी। यह तीनों राज्य पिछले ढाई साल से मप्र से बाघ मांग रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में पिछले माह हुई मप्र स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की बैठक में तीनों राज्यों को 10 बाघ देने को मंजूरी दी गई थी। इसके बाद मप्र ने कान्हा, पेंच और बांधवगढ टाइगर रिजर्व में युवा बाघों की पहचान कर ली है। इनमें 7 मादा और 3 नर बाघ ट्रांसफर किए जाएंगे।

एफआईआर के एक दिन पहले तक आरोपियों ने लगाई अटेंडेंस, पीएचक्यू की मेडिकल शाखा में फर्जी बिल घोटाला

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मप्र पुलिस मुख्यालय में मेडिकल शाखा के अधिकारियों ने फर्जी बिल बनाकर 15 लाख रुपए हड़पने के मामले में आवेदन देने वाले पीटीआरआई शाखा के कर्मचारियों के बयान दर्ज किए हैं। इन बयानों में फर्जीवाड़े के तरीके का खुलासा हुआ है। वहीं आरोपियों में प्रभारी- ASI हर्ष वानखेड़े, कैशियर- सूबेदार नीरज कुमार और सहायक स्टाफ- हेड कॉन्स्टेबल राजपाल ठाकुर शामिल हैं। एफआईआर दर्ज होते ही तीनों फरार हो गए हैं। खास बात ये है कि एफआईआर दर्ज करने के एक दिन पहले तक कार्मिक शाखा में नीरज और हर्ष ने अटेंडेंस लगाई है। जबकि राजपाल मंगलवार को मेडिकल लीव पर चला गया था। जांच के दौरान पीएचक्यू के अधिकारी

ने प्रेस प्रशिक्षण शाखा पुलिस मुख्यालय के आरक्षक संतोष कुमार ने बताया कि आरोपियों ने 20 देयकों 4 अगस्त 2023 से 14 अगस्त 23 के बीच 5 लाख 7 हजार रुपए का भुगतान किया। 24 देयकों से 31 मार्च 24 में 4.78 लाख रुपए भुगतान किया गया। सभी देयकों को राजपाल कॉल कर बताता था कि गलती से मेडिकल शाखा की रकम आपके खाते में चली गई है। इसे लौटाने के लिए आरोपी अपने पर्सनल अकाउंट नंबर और यूपीआई दिया करता था। टीआई सीबी राठौर ने बताया कि पीटीआरआई के कर्मचारियों ने फरवरी 2025 में आवेदन देकर मामले की जानकारी सीनियर अफसरों को दी थी। जांच में खुलासा हुआ कि ASI हर्ष वानखेड़े, सूबेदार नीरज कुमार और हेड कॉन्स्टेबल राजपाल ठाकुर ने 2023 से जुलाई 2025 के बीच फर्जी मेडिकल बिल पास कर सरकारी राशि अपने बैंक खातों में ट्रांसफर कराई है। डीएसपी ओपी मिश्रा ने कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन मंगलवार को सौंपा था। इसके आधार पर बुधवार को जहांगीराबाद पुलिस ने कूट रचित दस्तावेज और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया।

परिवहन विभाग ने यात्री बस की फिटनेस निरस्त की

इमरजेंसी एग्जिट पर सीट, एक्सपायर्ड दवाएं और बिना फायर एक्सटिंग्विशर के चल रही थी बस

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) भोपाल ने गुरुवार को राजधानी में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान यात्री बसों और स्कूल वाहनों की बारीकी से जांच की गई, जिसमें कई गंभीर लापरवाही उजागर हुईं। जांच के बाद आरटीओ ने एक यात्री बस की फिटनेस निरस्त करते हुए कार्रवाई की, जबकि तीन स्कूल बसों को जब्त किया गया। आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया कि जिस बस की फिटनेस निरस्त की गई, उसमें फायर एक्सटिंग्विशर मौजूद नहीं था, फर्स्ट एड बॉक्स में रखी दवाएं एक्सपायर थीं। इमरजेंसी एग्जिट के सामने सीट लगाई गई थी, जिससे किसी हादसे की स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा हो सकता था। विभाग ने इसे मोटर यान अधिनियम के गंभीर उल्लंघन की श्रेणी में मानते हुए बस की फिटनेस रद्द कर दी। वहीं, चेकिंग अभियान के दौरान तीन स्कूल बसों को बिना परमिट, फिटनेस और टैक्स बकाया होने के कारण जब्त किया गया। ये बसें क्रमशः सेंट जेवियर स्कूल, जवाहर स्कूल और सेंट फ्रांसिस स्कूल के विद्यार्थियों को लेकर परिवहन करती पाई गईं। बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी इस गंभीर लापरवाही पर विभाग ने स्कूल प्रबंधन को भी नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू की है।

इसके अलावा टीम ने चार अन्य बसों से 17 हजार रुपए का शमन शुल्क (जुर्माना) भी वसूला। जांच के दौरान बसों के दस्तावेज, पंजीयन अनुसार बैठने की क्षमता, फायर फाइटिंग उपकरण, फर्स्ट एड बॉक्स और स्पीड गवर्नर की भी विस्तृत जांच की गई। भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने कहा, "स्कूल और यात्री बसों में सुरक्षा मानकों से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार्य नहीं है। फिटनेस, परमिट और टैक्स जैसे नियमों का पालन करना प्रत्येक वाहन स्वामी की जिम्मेदारी है। जिन वाहनों में खामियां पाई जाएंगी, उन पर विभाग की सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

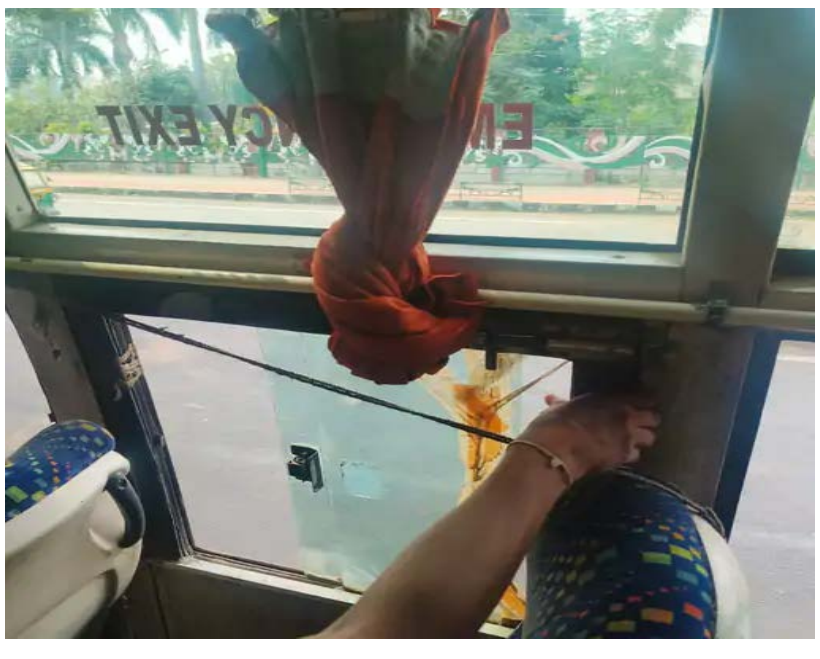

मालेगांव विस्फोट मामले से बरी हुए हिंदू धर्मयोद्धाओं का कोल्हापुर में भव्य सम्मान!

`मालेगांव विस्फोट' `भगवा आतंकवाद' सिद्ध करने के लिए कांग्रेस द्वारा रचा गया एक षड्यंत्र था, समीर कुलकर्णी का जोरदार हमला

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

'मालेगांव बम विस्फोट' 'भगवा आतंकवाद' के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा रचा गया एक बड़ा षड्यंत्र था। देश की जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम न करके, तत्कालीन सत्ताधारियों के इशारों पर नाच रही थीं । इसलिए, मालेगांव और उसके बाद हुए कई बम विस्फोटों की जांच करने के बजाय, तत्कालीन कांग्रेसी शासकों ने उसमें व्यर्थ ही हिंदुत्ववादियों को फंसाया, ऐसा स्पष्ट प्रतिपादन मालेगांव विस्फोट मामले से बरी हुए श्री समीर कुलकर्णी ने किया। वे हिंदु जनजागृति समिति द्वारा कोल्हापुर के 'देवल क्लब' में आयोजित 'मालेगांव विस्फोट में बरी हुए धर्मयोद्धाओं और उनके अधिवक्ताओं के सम्मान' समारोह में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में 800 से अधिक हिंदू उपस्थित थे। कार्यक्रम में धर्मवीर समीर कुलकर्णी और मेजर रमेश उपाध्याय का विशेष सम्मान किया गया। साथ ही, हिंदु विधीज्ञ परिषद के अध्यक्ष अधिवक्ता वीरेंद्र इचलकरंजीकर, अधिवक्ता समीर पटवर्धन, अधिवक्ता प्रीति पाटील और हिंदुत्ववादी लेखक श्री विक्रम भावे का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सम्मानित व्यक्तियों की वाहन से सभा स्थल तक शोभायात्रा निकाली गई।

बड़े लोगों के नाम नहीं लिए इसलिए हमारी गिरफ्तारी हुई : मेजर रमेश उपाध्याय

मालेगांव विस्फोट के दिन मैं मुंबई में था, फिर भी मुझे गिरफ्तार कर पीटा गया। प.पू. सरसंघचालक डॉ. मोहनजी भागवत, श्री प्रवीण तोगाडिया, श्री श्री रविशंकर, योगी आदित्यनाथ के नाम लेने के लिए मुझ पर दबाव डाला गया; लेकिन मैंने अंत तक उनके नाम नहीं लिए। इसलिए हमें जानबूझकर फंसाया गया। हमारा सामाजिक और आर्थिक जीवन नष्ट कर दिया गया। केवल राजनीतिक लाभ के लिए हम पर अन्याय हुआ, ऐसा चौंकाने वाला खुलासा मालेगांव बम विस्फोट से बरी हुए तथा भारतीय सेना के मेजर रमेश उपाध्याय ने कोल्हापुर में किया

अन्याय हुआ फिर भी हिंदुत्व का कार्य नहीं छोड़ेंगे -विक्रम भावे, लेखक

डॉ. नरेंद्र दाभोलकर हत्या मामले में कोई संबंध न होने पर भी मुझे और अधिवक्ता संजीव पुनालेकर को गिरफ्तार किया गया। हत्या के 15 मिनट के भीतर ही तत्कालीन मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने घोषणा की थी कि यह हत्या 'गोडसेवादी' लोगों ने की है। इससे स्पष्ट होता है कि प्रगतिशीलों के आरोप कितने झूठे और नियोजित होते हैं। दमन का उपयोग करके आप हमें प्रताड़ित कर सकते हैं; लेकिन हम हिंदुत्व का कार्य नहीं छोड़ेंगे, ऐसा दृढ़ प्रतिपादन 'मालेगांव विस्फोट के पीछे के अदृश्य हाथ' और 'दाभोलकर हत्या और मैं' पुस्तकों के लेखक श्री विक्रम भावे ने किया।

कांग्रेसी, साम्यवादी और जिहादियों द्वारा ही 'भगवा आतंकवाद' का दुष्प्रचार -श्री सुनील घनवट

कांग्रेस जैसे धर्मनिरपेक्ष शासकों ने साम्यवादी और जिहादी शक्तियों के साथ मिलकर देश में 'भगवा आतंकवाद' होने का दुष्प्रचार किया। इसके लिए मालेगांव 2008, समझौता बम विस्फोट, मडगांव विस्फोट 2009, दाभोलकर-पानसरे हत्या जैसे कई मामलों में निर्दोष हिंदुत्ववादियों को फंसाया गया। इस षड्यंत्र के शिकार लोगों के साथ खड़ा होना प्रत्येक हिंदू का कर्तव्य है, ऐसा प्रतिपादन हिंदु जनजागृति समिति के महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ राज्यों के संघटक श्री सुनील घनवट ने किया साम्यवादियों द्वारा की गई 14 हजार हत्याओं के बारे में कोई क्यों नहीं बोलता -अधि. वीरेंद्र इचलकरंजीकर इस अवसर पर हिंदु विधिज्ञ परिषद के अध्यक्ष अधिवक्ता वीरेंद्र इचलकरंजीकर ने कहा, ''दाभोलकर, पानसरे, कलबुर्गी और गौरी लंकेश की हत्या का बार बार रोना-धोना किया जाता है; लेकिन साम्यवादियों ने देश में 14 हजार से अधिक हत्याएं कीं, इसके बारे में कोई क्यों नहीं बोलता? आने वाले समय में व्यर्थ ही फंसाए गए और भी कुछ हिंदुत्ववादियों का सम्मान इसी स्थान पर और इसी मंच पर होगा। हमें समाज में हिंदुओं के खिलाफ चल रहे इकोसिस्टम के विरुद्ध लड़ना होगा।'

इस कार्यक्रम में सनातन संस्था की सद्गुरु स्वाति खाडये, हिंदु एकता के जिलाध्यक्ष श्री दीपक देसाई और शहर प्रमुख श्री गजानन तोडकर, महाराष्ट्र मंदिर महासंघ के श्री अशोक गुरव, शिवसेना के उप-जिला प्रमुख श्री उदय भोसले और श्री किशोर घाटगे, शिवसेना उद्धव बालासाहेब पक्ष के उप-जिला प्रमुख श्री संभाजीराव भोकरे और करवीर तालुका प्रमुख श्री राजू यादव, स्वातंत्र्यवीर सावरकर साहित्य और विज्ञान मंडल के अध्यक्ष श्री नितिन वाडीकर, उद्योजिका श्रीमती मनीषा वाडीकर, श्री शिवप्रतिष्ठान हिंदुस्थान के जिला कार्यवाह श्री सुरेश यादव सहित कई प्रतिष्ठित मान्यवर उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रास्ताविक हिंदु जनजागृति समिति के श्री सुनील घनवट ने किया, जबकि सूत्रसंचालन श्री विपुले और श्री अमोल कुलकर्णी ने किया।

कार्यालय खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय भोपाल में मप्र राज्य कर्मचारी संघ की विभागीय समिति घोषित

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

कार्यालय खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग संचालनालय भोपाल में मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ भोपाल शाखा की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की शुरुआत उपस्थित अतिथियों के स्वागत से हुई। बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमन्त श्रीवास्तव, श्री जितेंद्र सिंह महामंत्री, विशेष अतिथि प्रदेश संगठन मंत्री श्री राजकुमार चंदेल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री हेमन्त अज्ञानिया एवं सह संयोजक संदीप जैन उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता संयोजक श्री जितेंद्र शाक्य ने की। बैठक में श्री जितेंद्र सिंह एवं श्री हेमन्त श्रीवास्तव जी ने अपने प्रबोधन में कर्मचारी हित में संगठन के योगदान पर प्रकाश डाला। अतिथियों के प्रबोधन उपरांत सर्व सम्मति से विभागीय समिति का गठन किया गया। जिसमें मोहम्मद अयूब खान को अध्यक्ष, श्री राहुल शर्मा, श्री अनुराग लाखोरिया, श्री विनोद पुरबिया, सुश्री हनी वर्मा को उपाध्यक्ष, श्री विनय कड़वे को सचिव, श्री कपिल सेन को सह सचिव, श्री मति आस्था अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, श्री ओमेंद्र देशमुख को संगठन मंत्री, श्री विजय मुजाल्दा को कार्यालय मंत्री एवं श्री अंकित मिश्रा, श्री मति रीना तंवर, श्री विजय सिंह को कार्यकारणी सदस्य मनोनीत किया गया। मनोनीत पदाधिकारियों का पुष्पमाला एवं मिष्ठान वितरण कर बधाई दी गई। बैठक में दर्जनों अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्वालियर में 1.26 करोड़ के विकास कार्यों का आज भूमिपूजन, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न तोमर सड़कों और पार्कों का करेंगे शिलान्यास

दैनिक कारखाने का सफर। ग्वालियर

ग्वालियर में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर आज (शुक्रवार) 1 करोड़ 26 लाख रुपए से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। यह कार्यक्रम उप नगर ग्वालियर में आयोजित किया जाएगा। मंत्री तोमर वार्ड-31 की आरपी कॉलोनी में बड़ा पार्क के पास भूमिपूजन करेंगे। इसमें आरपी कॉलोनी और अशोक बिहार कॉलोनी की विभिन्न गलियों में 61 लाख 12 हजार 254 रुपए और 42 लाख 96 हजार 581 रुपए की लागत से डामरीकरण कार्य शामिल है। इसके बाद वार्ड-31 के साकेत नगर में आरोग्य सदन वाली रोड पर एक और कार्यक्रम होगा। यहां 23 लाख 78 हजार 881 रुपए की लागत से साकेत नगर की विभिन्न गलियों में सीमेंट-कंक्रीट सड़कों का भूमिपूजन करेंगे। ऊर्जा मंत्री वार्ड-31 की रेलवे कॉलोनी में गुम्मट वाली दरगाह के पास भी पहुंचेंगे। यहां रेलवे कॉलोनी की विभिन्न गलियों में डामरीकरण कार्यों का भूमिपूजन करेंगे।

विश्वरंग फाउंडेशन, रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विश्व रंग 2025 के शुभारंभ हेतु राज्यपाल को आमंत्रित किया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

विश्वरंग फाउंडेशन, रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ,भोपाल द्वारा 27 से 30 नवंबर 2025 तक भोपाल में आयोजित विश्व रंग 2025 के शुभारंभ हेतु आमंत्रित करने के लिए विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि मंडल ने राजभवन में मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल से भेंट की। प्रतिनिधि मंडल में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं विश्व रंग के निदेशक संतोष चौबे ,स्कोप ग्लोबल स्कील यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति सिद्धार्थ चतुर्वेदी ,कुलपति विजय सिंह और अंतरराष्ट्रीय हिंदी के केंद्र के निदेशक डॉ. जवाहर कर्णावट ने राज्यपाल का पुष्प कुछ से स्वागत करते हुए उन्हें प्रवासी साहित्य श्रृंखला में अंतर्गत विभिन्न देशों से प्रकाशित हिंदी रचनाकारों की पुस्तकें भेंट की। राज्यपाल ने प्रतिनिधि मंडल से चर्चा करते हुए विश्वविद्यालय के कार्यों की प्रशंसा की तथा विश्व रंग का आमंत्रण भी स्वीकार किया। राज्यपाल को विश्वविद्यालय की भावी गतिविधियों की जानकारी भी दी गई।

थर्ड बहरीन एशियन यूथ गेम्स में जे.सी शर्मा रेफरी एवं जूरी मेम्बर के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

22 से 31 अक्टूबर 2025 तक बहरीन में आयोजित तीसरे बहरीन एशियन यूथ गेम्स में मध्यप्रदेश अमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन के सचिव जे.सी. शर्मा रेफरी एवं जूरी मेम्बर के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। मध्यप्रदेश अमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन के पूर्व सचिव एवं संरक्षक एम.एल. चौहान ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि बेहरीन में आयोजित तीसरे बहरीन एशियन यूथ गेम्स में मध्यप्रदेश अमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन के सचिव एवं अंतर्राष्ट्रीय अम्पायर जे.सी. शर्मा को बहरीन आयोजन समिति ने रेफरी एवं जूरी मेम्बर नियुक्त किया है । इसके पूर्व भी आप कई अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में अम्पायरिंग

कर चुके हैं। जे.सी. शर्मा 16 अक्टूबर को भोपाल से बेहरीन के लिए रवाना होंगे । सचिव जे.सी.शर्मा की इस उपलब्धि पर मध्यप्रदेश अमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक जोशी 'पिन्टू', वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामजीवन गोदारा, अनवर खान, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह, स्वदीप सिंह, मध्यप्रदेश रेफरी बोर्ड के कन्वीनर शानु यादव, कोषाध्यक्ष नन्दकिशोर खटोलिया, तकनीकी समिति के जे.एस.परमार, रवीन्द्र यादव, मुकेश करवरिया, प्रो कबड्डी अम्पायर अरूण राजपूत, बृजेश बागोरा, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी दर्शना वाकड़े, भोपाल जिला कबड्डी संघ के सचिव शैलेन्द्र सिंह राजपूत, एम.आर.शर्मा, मध्यप्रदेश पुलिस के कोच अशोक पांडे, प्रीतम सिंह, मोहन चौहान इत्यादि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

`हलाल मुक्त दिवाली' मनाकर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की रक्षा करें

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दिवाली का पावन पर्व केवल दीयों और खुशियों का उत्सव नहीं है, बल्कि यह असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। इस दिवाली, एक नए प्रकार के आर्थिक और सांस्कृतिक आक्रमण के विरुद्ध जागरूक होने का समय आ गया है। भारत में 'FSSAI' और 'FDA' जैसी आधिकारिक सरकारी संस्थाओं के होते हुए भी, कुछ निजी इस्लामी संगठन 'हलाल प्रमाणीकरण' को अनिवार्य कर एक समानांतर अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं। यह 'हलाल अर्थव्यवस्था' केवल एक व्यावसायिक मामला नहीं है, बल्कि यह भारत की संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों के लिए एक सीधी चुनौती है।

क्या है 'हलाल' का छिपा हुआ षड्यंत्र?: मूल रूप से मांस तक सीमित 'हलाल' की अवधारणा अब शाकाहारी खाद्य पदार्थों, मिठाइयों, चॉकलेट्स, सौंदर्य प्रसाधनों, दवाओं, अस्पतालों और यहाँ तक कि हाउसिंग परियोजनाओं तक पहुँच गई है। इस प्रमाणीकरण के लिए उद्यमियों को प्रत्येक उत्पाद के लिए शुरुआत में 21,500 रुपये और वार्षिक नवीनीकरण के लिए 15,000 रुपये देने पड़ते हैं।

अकेले भारत में खाद्य पदार्थ, सौंदर्य प्रसाधन, दवाएं और अन्य दैनिक जरूरत की वस्तुएं बनाने वाली लगभग 400 कंपनियों ने हलाल सर्टिफिकेट लिया है। करीब 3,200 प्रकार के उत्पादों को यह सर्टिफिकेशन मिला है। फाइव-स्टार होटलों से लेकर रेस्तरां तक, उत्तर प्रदेश सहित देशभर में हलाल सर्टिफिकेट लेने के लिए कतारें लगी हुई हैं। अकेले उत्तर प्रदेश में हलाल सर्टिफिकेट वाले होटलों और रेस्तरां की संख्या लगभग 1,400 है।

एड्वाइट रिसर्च और हलाल काउंसिल ऑफ इंडिया के अनुसार, वैश्विक बाजार में हलाल उत्पादों की हिस्सेदारी लगभग 19% है। यह बाजार लगभग सात ट्रिलियन डॉलर यानी साढ़े सात लाख करोड़ रुपये से भी अधिक है। इसमें भारतीय कंपनियों और होटलों का हिस्सा लगभग 80,000 करोड़ रुपये है। इस प्रक्रिया से जमा हुए करोड़ों रुपये का उपयोग कहाँ होता है, इस पर कोई सरकारी नियंत्रण नहीं है।

राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर संकट : सबसे चिंताजनक बात यह है कि 'हलाल प्रमाणीकरण' से प्राप्त धन का उपयोग देश-विरोधी गतिविधियों के लिए किए जाने का आरोप है। 'जमियत-उलेमा-ए-हिंद' जैसा 'हलाल प्रमाणीकरण' करने वाला संगठन मुंबई के '7/11' ट्रेन बम विस्फोट, '26/11' मुंबई आतंकी हमले और पुणे की जर्मन बेकरी विस्फोट जैसे गंभीर आतंकवादी मामलों के 700 आरोपियों को कानूनी सहायता प्रदान कर रहा है। शिकायतों में यह प्रबल आशंका व्यक्त की गई है कि 'हलाल' के नाम पर एकत्र किया गया पैसा देश-विरोधी ताकतों को मजबूत करने के लिए उपयोग किया जा रहा है।

यह 'हलाल अर्थव्यवस्था' भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक चुनौती बन गई है। उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन और 'अल्पसंख्यक तानाशाही': हाल ही में 'वंदे भारत एक्सप्रेस' में श्रावण मास के दौरान एक यात्री को 'हलाल सर्टिफाइड' चाय परोसने का मामला सामने आया था। यह उदाहरण दिखाता है

कि यह व्यवस्था कैसे बहुसंख्यक समाज पर थोपी जा रही है। भारत की केवल 15% मुस्लिम आबादी के लिए आवश्यक 'हलाल' व्यवस्था को शेष 85% हिंदू, सिख, जैन और अन्य गैर-मुस्लिम जनता पर थोपना, उनके संवैधानिक और उपभोक्ता अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। हल्दीराम, हिमालया, नेस्ले जैसी कई कंपनियाँ अपने शाकाहारी उत्पाद भी 'हलाल सर्टिफाइड' के रूप में बेच रही हैं। यह 'हलाल' की बाध्यता क्यों? क्या भारत में हिंदुओं को खाने या खरीदने की संवैधानिक स्वतंत्रता नहीं है? प्रसिद्ध विचारक नसीम निकोलस तालेब ने इस प्रवृत्ति को 'अल्पसंख्यक तानाशाही' (Minority Dictatorship) कहा है, जो भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए अत्यंत खतरनाक है।

'हलाल मुक्त दिवाली' अभियान में कैसे सहभागी बनें?:

इस राष्ट्रीय लड़ाई में प्रत्येक नागरिक का योगदान अमूल्य है। आप निम्नलिखित तरीकों से अपनी भूमिका निभा सकते हैं ! खरीदारी करते समय, उत्पाद की पैकेजिंग पर 'हलाल' लोगो की जाँच करें। 'हलाल प्रमाणित' उत्पादों को अस्वीकार करें और FSSAI, ISI जैसे भारतीय मानकों द्वारा प्रमाणित वस्तुओं को प्राथमिकता दें। ईमेल या सोशल मीडिया के माध्यम से कंपनियों से पूछें की "एक धर्मनिरपेक्ष देश में, जब सरकारी प्रमाणीकरण मौजूद है, तो आपको निजी धार्मिक प्रमाणीकरण की आवश्यकता क्यों है?" अपने क्षेत्र के दुकानदारों को इस आर्थिक षड्यंत्र के बारे में सूचित करें और उन्हें 'हलाल मुक्त' उत्पाद बेचने के लिए प्रोत्साहित करें। इस लेख के मुद्दों को व्हाट्सएप, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया पर #HalalMuktDiwali हैशटैग के साथ साझा करके व्यापक जागरूकता पैदा करें। Hindujagruti.org वेबसाइट पर जाकर 'हलाल' के खिलाफ राष्ट्रीय ऑनलाइन हस्ताक्षर अभियान में भाग लें। स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपकर 'हलाल प्रमाणीकरण' पर देशव्यापी प्रतिबंध लगाने की मांग करें। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने 'हलाल' प्रमाणीकरण पर प्रतिबंध लगाकर एक साहसिक कदम उठाया है। इसी को आदर्श मानकर केंद्र सरकार को पूरे देश में इस पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। आइए, इस दिवाली 'हमारा उत्सव, हमारी खरीद, हमारे लोग' का संकल्प लें और राष्ट्र-विरोधी 'हलाल' अर्थव्यवस्था के जाल को तोड़कर एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपना राष्ट्रीय कर्तव्य निभाएं। हमारा लक्ष्य अब केवल 'हलाल-मुक्त' दिवाली नहीं, बल्कि 'हलाल-मुक्त' भारत होना चाहिए।

गूगल का महा-निवेश!

अमेरिका ने पेट्रोडॉलर समृद्ध पश्चिम एशियाई देशों के ऊर्जा एवं वित्त तथा भारत के टेक प्रशिक्षित मानव संसाधन को अपने एआई बौद्धिक संपदा से जोड़ कर इस नई तकनीक में खुद को अग्रणी बनाए रखने की बड़ी योजना बनाई है। गूगल भारत में आर्टिफिशिलय इंटेलिजेंस हब की स्थापना के लिए 15 बिलियन डॉलर का निवेश करेगी। इसके तहत विशाखापत्तनम में एक गिगावाट का डेटा सेंटर बनाया जाएगा। यह अमेरिका से बाहर एआई डेटा सेंटर बनाने की गूगल की योजना का हिस्सा है। इसके पहले माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन भी भारत में डेटा सेंटर बनाने का एलान कर चुकी हैं, हालांकि उनके प्रस्तावित निवेश का स्तर गूगल से काफी कम है। अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों में फिलहाल एआई में निवेश की होड़ लगी हुई है। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने खाड़ी देशों की अपनी पिछली यात्रा के दौरान अमेरिकी एआई परियोजना में पेट्रोडॉलर समृद्ध पश्चिम एशियाई देशों के ऊर्जा एवं वित्त तथा भारत के टेक प्रशिक्षित मानव संसाधन को अमेरिकी एआई बौद्धिक संपदा से जोड़ कर इस नई तकनीक में अपने देश को अग्रणी बनाए रखने की योजना घोषित की थी। इसके लिए विशाल पैमाने पर डेटा की जरूरत टेक कंपनियों को है। डेटा सेंटर की स्थापना ना सिर्फ महंगा कार्य है, बल्कि इसके लिए अत्यधिक ऊर्जा एवं उपकरणों को शीतलता देने के लिए शुद्ध जल की जरूरत होती है। इसका पर्यावरण पर खराब असर पड़ता है। तो अमेरिका ने अपने प्रभाव क्षेत्र वाले देशों की ऊर्जा उत्पादन क्षमता, जल उपलब्धता, वित्त एवं मानव संसाधन को अपनी परियोजना से जोड़ने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि विशाखापत्तनम में बनने वाले हब में अडानी ग्रुप और भारतीय एयरटेल का भी पैसा लगेगा। बेशक, इतने बड़े निवेश से भारत में विदेश मुद्रा आएगी। साथ ही रोजगार के अवसर पैदा होंगे। ये भारत के लिए फायदेमंद बातें हैं। मगर यह भी अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि ऐसी परियोजनाओं के साथ भारत लगातार अधिक मजबूती से अमेरिकी हाई टेक प्रतिमानों से जुड़ता जा रहा है। इससे भारत के अपनी जरूरतों के मुताबिक अपने प्रतिमान विकसित करने की संभावना सिकुड़ रही है। चूंकि अमेरिकी एआई उद्योग सेवा क्षेत्र पर केंद्रित है, तो भारत की मैनुफैक्चरिंग एवं सामाजिक जरूरतों के मुताबिक एआई तकनीक विकसित करने की संभावना ऐसे प्रतिमानों से नहीं बनेगी। उलटे सेवा क्षेत्र में एआई का उपयोग बढ़ेगा, जिससे वहां की मौजूद नौकरियों पर तलवार और ज्यादा लटकेगी।

महंगाई दर बनाम मांग!

डब्लूपीआई के गिरने का अर्थ है कि थोक खरीद में गिरावट आई। मतलब यह कि कारोबारियों को अगले दो या तीन महीनों में बाजार में मांग बढ़ने की संभावना नजर नहीं आती। ऐसा जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद हुआ है। ताजा सरकारी आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में थोक मूल्य सूचकांक (डब्लूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति दर गिर कर 0.13 प्रतिशत पर चली गई। उधर बीते महीने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 1.54 प्रतिशत रही, जिसे आठ साल में सबसे कम बताया गया है। डब्लूपीआई के गिरने का अर्थ है कि थोक खरीद में गिरावट आई। मतलब यह कि कारोबारियों को अगले दो या तीन महीनों में बाजार में मांग बढ़ने की संभावना नजर नहीं आती। ऐसा जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद हुआ है। मतलब यह कि जीएसटी का नया ढांचा लागू होने के बाद त्योहारों के सीजन में कुछ सामग्रियों की बिक्री में जो उछाल देखा गया है, व्यापारियों को उसके टिकाऊ होने की उम्मीद नहीं है। बताया गया है कि सितंबर में खाद्य सामग्रियों- खासकर सब्जियों की कीमत गिरने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का दाम कम होने का असर मुद्रास्फीति दर पर पड़ा। बहरहाल, गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक का घोषित लक्ष्य उपभोक्ता मुद्रास्फीति दर को 4 से 6 प्रतिशत के दायरे में रखना है। इससे अधिक दर महंगाई को असह्य बनाता है, जबकि इससे कम दर का अर्थ है बाजार में मांग की स्वस्थ स्थिति का अभाव। उसका असर निवेश और उत्पादन पर पड़ता है। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक आईटी सेक्टर पर मंडराते अंदेशों के बादल, अमेरिकी टैरिफ के अर्थव्यवस्था पर हो रहे असर, और निजी क्षेत्र के निवेश की कमजोर संभावनाओं का मांग पर प्रतिकूल असर साफ नजर आया है। आय कर से एक तिहाई करदाताओं को बाहर करने और जीएसटी दरों में कटौती से इसकी भरपाई करने की कोशिश सरकार ने की है, मगर यह अपर्याप्त साबित हो रहा है। मुद्रास्फीति की अपेक्षित दर में गिरावट सिर्फ दो स्थितियों में आती है- या तो आपूर्ति हद से ज्यादा हो अथवा मांग उम्मीद से कम हो। चाहे खाद्य पदार्थ हों या कारखाना उत्पाद- किसी भी मामले में अत्यधिक आपूर्ति की स्थिति नहीं है। तो जाहिर है, थोक एवं उपभोक्ता मुद्रास्फीति दर में रिजर्व बैंक की तय स्वस्थ सीमा से ज्यादा गिरावट कम मांग का

हिनाः "उस से जब राम राम होती है !"

बीजेपी की यही सफलता ! पुलिस प्रशासन में भी धर्म जाति के आधार पर भेद कर दिया ! कर्नल सोफिया कुरैशी सेना की प्रवक्ता के तौर पर काम कर रहीं थीं। कुछ भी उनके खिलाफ नहीं था। तो कोई सामान्य भक्त या ट्रोल नहीं एक मंत्री उनके खिलाफ आया। सीधे पाकिस्तान से संबंध जोड़ने। नहीं थी प्रधानमंत्री मोदी में इतनी हिम्मत की उसकी निंदा करते। सरकार से निकालते। पार्टी से निकालते। ग्वालियर की सीएसपी हिना खान के जय श्री राम के नारे लगाए जाने से लोग बहुत खुश हैं। ठीक है। उनकी प्रत्युत्पन्नमति ने न केवल स्थिति को तत्काल संभाला बल्कि बवाली वकील अनिल मिश्रा को बैकफुट पर भी धकेल दिया। लेकिन यहां प्रशासनिक समझ बूझ का एक सवाल बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे धर्म और जाति के बवाल उठाकर पूरे ग्वालियर को तनाव में डालने और देश भर में जातिगत नफरत फैलाने वाले व्यक्ति के घर के बाहर एक युवा और वह भी मुस्लिम पुलिस अधिकारी को लगाने का फैसला क्या मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने जानबूझकर लिया था? सारा वरिष्ठ प्रशासनिक अमला जानता है कि ऐसे समय जब अनिल मिश्रा डॉ. आम्बेडकर को गालियां देकर देश भर में तनाव भड़काने की कोशिश कर रहे हैं तो ऐसे में स्थिति संभालने के लिए वहां किसी सीनियर पुलिस और प्रशासनिक आफिसर को रहना चाहिए था। बस एक काम चाहे वह संयोग से हुआ हो या सोच समझकर सही हुआ कि वहां किसी दलित पुलिस अफसर की ड्यूटि नहीं लगाई। नहीं तो दलितों के खिलाफ बहुत अपमानजनक भाषा बोल रहे अनिल मिश्रा और उनके समर्थक बड़ा उपद्रव कर सकते थे। बीजेपी की सबसे बड़ी सफलता यह है कि प्रशासन में भी उसने पूरी तरह नफरत के बीज बो दिए हैं। वहां पहले हिन्दू मुसलमान किया। और अब दलित सवर्ण, सवर्ण सवर्ण, जिसमें ठाकुर वर्सेस ब्राह्मण कर दिया। राज्यों में इससे पहले इतनी खराब स्थिति नहीं थी। मध्य प्रदेश में 22 साल से बीजेपी सरकार है। बीच में बस एक साल नहीं रही। वहां मोदी केप्रधानमंत्री बनने के बाद भी धर्म जाति का ऐसा विभाजन नहीं हुआ था। मगर उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के आने के बाद से बीजेपी शासित दूसर राज्यों में भी नफरत और विभाजन तेज हुआ है। मध्यप्रदेश का ही एक उदाहरण है सीएसपी हिना खान की तरह यहीं की आर्मी की कर्नल सोफिया कुरैशी भी कुछ दिन पहले तक वायरल हो रही थीं। प्रशंसा में। और फिर मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह ने उनके बारे में अनाप शनाप बोला। मुस्लिम हैं तो पाकिस्तान की आतंकवादियों की बहन बता दिया। सुप्रीम कोर्ट तक मामला गया। क्या हुआ? अभी भी मंत्री हैं। यह बीजेपी की नफरत और विभाजन फैलाने वाली राजनीति का एक सबसे बड़ा उदाहरण है कि अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए वह सेना की कर्नल तक का सम्मान बचाने की भी कोशिश नहीं करती है। भक्त, बीजेपी संघ के लोग बहुत खुश होते हैं नफरत और विभाजन बढ़ता देखकर। उन्हें कभी प्रगति, प्रेम से खुश होना सिखाया ही नहीं गया। विरोधाभासों में उनका विकास किया गया है। दूसरे धर्म की आलोचना सुनकर खुश होना। कर्नल सोफिया कुरैशी सेना की प्रवक्ता के तौर पर काम कर रहीं थीं। कुछ भी उनके खिलाफ नहीं था। तो कोई सामान्य भक्त या ट्रोल नहीं एक मंत्री उनके खिलाफ आया। सीधे पाकिस्तान से संबंध जोड़ने। नहीं थी प्रधानमंत्री मोदी में इतनी हिम्मत की उसकी निंदा करते। सरकार से निकालते। पार्टी से निकालते। कैसे करते? सिखाया ही यह गया है कि सिर्फ मुसलमान नाम हो तो उसके खिलाफ कुछ भी कर दो। लेकिन यह जहर रुकता तो नहीं। मुसलमानों के बाद दलितों के खिलाफ गया। पिछड़ों के खिलाफ। यह जहर कहां तक जाएगा किसी को नहीं मालूम। देश को कितना नुकसान करेगा, बीजेपी को इसकी कोई चिंता नहीं। जब तक वोट मिल रहे हैं बीजेपी नहीं सोचेगी। अब बिहार में उनका यह हिन्दू-मुसलमान कामयाब होता है या नहीं देखना होगा! अगर यहां फेल हुआ जिसकी बहुत संभावनाएं हैं तो फिर शायद एक बार बीजेपी को समझ में आएगा कि उसने इस नफरत की राजनीति के चक्कर में देश का कितना नुकसान कर दिया। धर्म जातियों में बंटा भारत कितना कमजोर है। भारत का बौद्धिक विकास रोक दिया। सब कुछ स्टिरियो टाइप हो गया। एक धारणा फैलाते हैं सब उसी तरह सोचने लगते हैं। ग्वालियर में हिन्दू धर्म सनातन का कोई मामला ही नहीं था। केवल प्रशासनिक व्यवस्था कायम रखना थी। युवा पुलिस अधिकारी से कहा आप सनातन विरोधी हैं। जय श्री राम के नारे लगाने लगे। पुलिस अफसर ने भी लगा दिए। कहा सनातन विरोधी नहीं है। ला एंड आर्डर का मामला है। अब दिमाग जो कुछ नारों, नरेटिव (धारणाओं) में उलझा दिया गया है, वह सिर्फ नारे लगाने को महिला पुलिस अफसर की बड़ी बात बता रहा है। कितने हैरानी की बात है कि इसी भारत में करीब सौ साल पहले उर्दू के आधुनिक शायरों में सबसे बड़े अल्लामा इकबाल लिख चुके है कि – " है राम के वजूद पर हिन्दोस्तां को नाज। अहले नजर समझते हैं इस को इमामे हिन्द !" बीजेपी ने सब पैमाने ऐसे बना दिए है जिससे नफरत फैले। राम पर आज तक एक भी मुसलमान ने कभी गलत नहीं कहा। जबकि सम्मान से प्रेम से लिखने के अनेक उदाहरण हैं। एक और देते हैं –

"भूल जाता हूं मैं खुदाई को
उस से जब राम राम होती है!"

जोशिश अजिमाबादी का यह शेर भारत के गांव शहर हर जगह की असली कहानी पेश करता है। राम राम भारत का सबसे ज्यादा किया जाने वाला अभिवादन रहा है। और जब हम यह लिख रहे हैं तो सबका। हिन्दू मुसलमान सबका। मुसलमानों ने कभी राम राम करने से परहेज नहीं किया। हमने पहले भी लिखा है कहीं शायद कि जब हम अपने शहर और बाग़ जाते थे तो सबसे ज्यादा यही अभिवादन होता था। बाग़ जो हमारा शहर से थोड़ा सा दूर काश्तकारों के इलाके में वहां तो सिर्फ राम राम ही होता था। लेकिन जैसा कि अभी ग्वालियर में किया वकील अनिल मिश्रा ने लोगों को भड़काने के लिए जय श्री राम वैसा जब संघ और बीजेपी ने शुरू किया तो सबसे ज्यादा नुकसान राम राम का ही किया। तेज आवाज में नारे की तरह और उससे भी ज्यादा चुनौती की तरह इसे बोला जाने लगा। इसकी मधुरता खतम कर दी। मगर बीजेपी संघ को इससे क्या मतलब उसे तो लगता है कि राम को भी मुसलमानों के खिलाफ प्रयोग किया जा सकता है। एक से हमने पूछा कि जब राम थे तब क्या मुसलमान थे? उनसे कोई विरोध हुआ? घबरा गया। कोई जवाब नहीं था उसके पास। जवाब है भी नहीं। राम पर उर्दू फारसी में पता नहीं कितना लिखा गया है। पहले तो दिवाली पर बताया जाता था। अब तो वह भी नहीं। फारसी में रामलीला होती थी, उर्दू में होती थी। सब बंद करवा दी। रामलीला में तमाम पात्र मुस्लिम होते थे। निकलवा दिए। यहां तक की आयोजन समिति में से भी। अभी ग्वालियर में ही बीजेपी के एक नेता गुड्डू वारसी (नूर आलम) को आयोजन समिति से हटा दिया गया। सब हो रहा है। रामलीला देखने आने से अभी शायद उस तरह नहीं रोका क्योंकि बहुत खुला हुआ मैदान होता है मगर गरबा या इस तरह के और दूसरे आयोजनों में तो बाकायदा प्रतिबंध लगा दिया। कांवड़ के रास्ते में मुसलमानों के फलबेचने वालों तक को हटाया गया। कोई बोलने वाला नहीं। मगर चलिए सीएसपी हिना खान पर खुश हैं तो यह अच्छी बात है। अफसर ऐसे ही होते हैं। भारत की प्रशासनिक व्यवस्था का दुनिया में बहुत सम्मान है। तमाम अंतरराष्ट्रीय अभियानों में यहां के अफसर जाते हैं और भारत का नाम उंचा करके आते हैं। मगर अब हर जगह नफरत विभाजन, भेदभाव कर दिया गया। अच्छे अफसरों को नौकरी छोड़ने पर मजबूर होना पड़ता है। बीजेपी को न्यायपालिका, चुनाव आयोग से लेकर मीडिया, ब्यूरोक्रेसी सब जगह अपने आदमी चाहिए। इन सबसे देश कैसे मजबूत होता है। विश्व गुरु बनता है। और यहां भी बड़ा संशय है कि वे विश्व गुरु बनने की बात खुद की करते हैं या देश की? खैर जो भी हो। देश के लिए सोचने वाले, काम करने वाले अपना काम करते रहेंगे। और यह भी चाहते रहेंगे कि बीजेपी को भी नफरत विभाजन और भेदभाव से देश को होने वाले नुकसान समझ में आ जाएं।

-शकील अख़्तर

नीतीश की नाराजगी का बड़ा मैसेज!

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए के पांचों घटक दलों के नेताओं ने दिल्ली में बैठ कर सीट बंटवारा कर लिया था। सभी नेताओं के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी सूचना साझा कर दी गई थी। इसके मुताबिक भाजपा और जनता दल यू को बराबर 101-101 सीट पर लड़ना था, जबकि चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी को 29 सीटें मिली थीं। जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा को छह-छह सीटें दी गई थीं। इस बंटवारे को लेकर नीतीश, मांझी और कुशवाहा की पार्टी में थोड़ी नाराजगी थी। लेकिन जैसे ही चिराग पासवान की पार्टी को मिली सीटों की एक कथित सूची सामने आई वैसे ही मामला बिगड़ गया। इसमें नीतीश कुमार की पार्टी की कई जीती हुई सीटें भी शामिल थीं। कई सीटें ऐसी थीं, जो पारंपरिक रूप से भाजपा की सीट मानी जाती है और जिन्हें भाजपा नहीं छोड़ सकती है। बाद में पता भी चला कि उसमें से पांच सीटों पर भाजपा ने उम्मीदवार उतारे। लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पता नहीं था कि यह सूची फर्जी है या किसी ने प्लांट किया हुआ है। तभी उनके सामने जैसे ही यह सूची आई वे आगबबूला हो गए। लेकिन असली दिलचस्पी वाली खबर यह है कि मुख्यमंत्री आवास में किसने सूची दिखाई, किसने नीतीश कुमार के कान में क्या क्या और कौन आकर रोने लगा। जानकार सूत्रों का कहना है कि राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह और संजय झा की जोड़ी के खिलाफ सीएम आवास में नीतीश के करीबी कई लोगों में नाराजगी थी। पूर्व आईएएस अधिकारी मनीष वर्मा और बरसों से जदयू कार्यालय संभाल रहे संजय गांधी को चुनाव लड़ने के लिए सीट नहीं मिली है इससे ये दोनों दुखी हैं। इसी बीच सोनबरसा के विधायक और नीतीश सरकार के मंत्री और दलित नेता रत्नेश सदा रोते गाते पटना पहुंचे कि उनकी सीट लोजपा को दे दी गई। इससे मनीष वर्मा और संजय गांधी को मौका मिला। दोनों ने रत्नेश सदा को ले जाकर नीतीश के सामने खड़ा कर दिया। उनको रोते देख कर नीतीश कुमार भड़के और उन्होंने कहा कि इनकी सीट कैसे दूसरे को दे दी गई? इसके बाद राजगीर के दलित विधायक कौशल किशोर भी नीतीश के यहां पहुंचे। उनकी भी मुलाकात कराई गई। उनकी सीट चिराग को दिए जाने पर नीतीश ज्यादा भड़के। गौरतलब है कि नीतीश पर अक्सर यह आरोप लगता रहता है कि वे विकास के कार्यों में सबसे ज्यादा राजगीर को तरजीह देते हैं। वहीं उन्होंने ग्लास ब्रिज बनवाए, जंगल सफारी शुरू कराई, स्टेडियम बनाए और वहां की सीट किसी दूसरी पार्टी को दे दी गई। इससे नाराज नीतीश ने रत्नेश सदा और कौशल किशोर दोनों के सिंबल देकर चुनाव लड़ने भेज दिया। इसके बाद उन्होंने एकमा में धूमल सिंह को सिंबल दिया। वे चैनपुर में जमा खान की सीट चिराग को दिए जाने पर भी नाराज हुए। कुल मिला कर नीतीश ने अपना नाराजगी से एक तो चिराग पासवान का और उनके साथ साथ भाजपा का खेल पंक्चर किया और साथ ही यह मैसेज भी बनवा दिया कि उनके बीमार होने की बातें अफवाह हैं। उन्होंने एक झटके में यह दिखा दिया कि वे बॉस हैं और पूरी तरह से फिट हैं। हालांकि पूरी तरह से फिट हैं नहीं फिर भी चुनाव से पहले यह मैसेज जाना कि नीतीश अपनी जीती हुई सीटों की चिंता कर रहे हैं और अपनी पार्टी के पुराने नेताओं का ध्यान रख रहे हैं, बड़ी बात है।

"हम वैश्विक तबाही की ओर बढ़ रहे हैं"!

हम खतरनाक समय में जी रहे हैं! और यह न रूपक में, न मनोदशा में, बल्कि मापी जा सकने वाली सच्ची बात है। यह किसी हेडलाइन या चिंता से उपजी अतिशयोक्ति नहीं है। यह विज्ञान है। मानवता अब आत्मविनाश के कितने करीब पहुँच चुकी है, इसका प्रतीक "डूम्सडे क्लॉक" का इस साल 89 सेकंड पर टिकना है, आधी रात के, यानी विनाश के, सबसे नज़दीक। 'बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट्स' के वैज्ञानिकों और नोबेल विजेताओं की समिति ने यह समय इस साल आगे बढ़ाया, इस चेतावनी के साथ कि दुनिया अब परमाणु दुस्साहस, जलवायु अराजकता, तकनीकी अतिरेक और भ्रामक सूचनाओं के दलदल में डूब रही है। उनके शब्दों में — "हम वैश्विक तबाही की ओर बढ़ रहे हैं — रूपक रूप में नहीं, बल्कि नापने योग्य रूप में।" और यह सब दिखता है। मौसम पागल हो चुका है। इस साल भारत ने ही काफी तबाही झेली, पहाड़ काँपने लगे हैं, नदियाँ विद्रोह कर रही हैं, और शहर अपनी ही महत्वाकांक्षा में घुट रहे हैं। धरती को इतना खोदा जा चुका है कि ज़मीन अब खोखली महसूस होती है। यहाँ तक कि आसमान भी बदल गया है अब वह शांत, दार्शनिक नीला नहीं जो कभी हमें ठहरकर ऊपर देखने को मजबूर करता था। वह नीला अब जलता है, धुंध और ताप से धुँधला हुआ, जैसे क्षितिज पर खुद प्रकृति ने चेतावनी लिख दी हो। लेकिन पतन सिर्फ़ प्राकृतिक नहीं है, वह राजनीतिक भी है और डरावनी बात यह है कि वह लोकतांत्रिक भी है। आज दुनिया की अव्यवस्था केवल तानाशाहों की बनाई नहीं है, उसे लोकतंत्रों ने भी मिलकर गढ़ा है, और शायद परिष्कृत भी किया है। जो देश कभी अंतरराष्ट्रीय नैतिकता के स्थापक थे, वे अब अपने ही घरों में उसे तोड़ रहे हैं। वे संस्थाएँ, जो सत्ता के अतिरेक से नागरिकों की रक्षा के लिए बनी थीं — संसदें, अदालतें, मीडिया, विश्वविद्यालय — वे सब राजनीतिक दबाव या जन-थकान के बोझ तले चरमराने लगी हैं। लोकतंत्रों के पुराने checks and balances अब संतुलन नहीं बनाते। वॉशिंगटन में, शासन पार्टीगत नाटक बन गया है। नई दिल्ली में, असहमति को देशद्रोह समझ लिया जाता है। यरूशलम में, न्यायपालिका एक व्यक्ति की इच्छा के आगे झुक जाती है। हमारे समय की अव्यवस्था अब सिर्फ़ वैश्विक नहीं, संस्थागत भी है, प्रणालीगत और आत्मनिर्मित। जो शुरुआत लोकतंत्र के क्षरण से हुई थी, वह अब उसके नए रूप में कठोर हो चुकी है — performative populism यानी प्रदर्शनकारी जनवाद। अब सत्ता चुपचाप नहीं चलाई जाती, उसे रोज़ मंचित किया जाता है टीवी पर, सोशल मीडिया पर, रैलियों में। और जो संस्थाएँ सवाल उठाने के लिए बनी थीं, उन्हें हास्यास्पद बनाकर अप्रासंगिक किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की अनदेखी की जाती है, अंतरराष्ट्रीय संधियाँ कमजोर कर दी गई हैं, और मानवाधिकार अब केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं। जो व्यवस्था के रक्षक थे, वही अब उसे अस्थिर करने वाले बन गए हैं, शक्ति और सुविधा की भाषा में क़ानून को फिर से लिखा जा रहा है। इस बीच, महाद्वीपों के पार 110 सशस्त्र संघर्ष चल रहे हैं, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे ज़्यादा। सिर्फ़ एशिया में ही 21 युद्ध सक्रिय हैं, भारत और पाकिस्तान की पुरानी वैर-दृष्टि, भारत और चीन की जमी हुई सीमाएँ, पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान का नया तनाव। ये दूर की जंगें नहीं हैं, यह पड़ोसियों के बीच की लड़ाइयाँ हैं, नदियों, सीमाओं, गर्व और स्मृति के नाम पर। 1990 के दशक का जो "शांति लाभांश" था, वह अब पूरी तरह उड़ चुका है। युद्ध फिर लौट आया है भाषा बनकर, नीति बनकर, विचारधारा बनकर। यहाँ तक कि यूरोप, जिसने दावा किया था कि उसने अपने युद्धों को बीसवीं सदी के मलबे के नीचे दफना दिया है, अब फिर लहूलुहान है। रूस का यूक्रेन पर आक्रमण उस भ्रम को तोड़ चुका है कि "युद्ध अब इतिहास हैं।" और पश्चिम एशिया तो मानो हमेशा जलता रहता है — ग़ाज़ा, लेबनान, ईरान, यमन — एक संघर्ष पर दूसरा संघर्ष, जब तक विनाश सामान्य नहीं लगने लगता। हर मोर्चा दूसरे को ईंधन देता है। हर युद्धविराम एक intermission जैसा लगता है, अंत नहीं। और इस अराजकता के बीच मंच पर आते हैं वे पुरुष — डोनाल्ड ट्रंप, नरेंद्र मोदी, बेंजामिन नेतन्याहू, व्लादिमीर पुतिन, रेचेप तैयप एर्दोगन — और उनके जैसे बाकी सब। हर कोई अपने-अपने तूफ़ान का उत्पाद है, पर मिलकर वे शक्ति का एक पैटर्न रचते हैं। वे व्यवस्था को शांत करने नहीं, नियंत्रित करने आते हैं। संस्थाएँ पुनर्निर्मित करने नहीं, उन्हें अपने प्रतिबिंब में ढालने। वे सब एक ही कोरियोग्राफ़ी में चलते हैं, यह भ्रम कि अव्यवस्था को करिश्मे से संचालित किया जा सकता है, कि कानून लोचदार है, और व्यवस्था उसी की है जो उसे फिर से परिभाषित करने का साहस रखता है। उनका उभार राष्ट्रों की ताक़त नहीं, नागरिकों की थकान का प्रमाण है, ऐसी जनता की, जो अस्थिरता से इतनी थक चुकी है कि वर्चस्व को ही नियति मान बैठी है। हमारे समय की त्रासदी यही है, पुराने नियम अब लागू नहीं, और कोई उनके लौटने को लेकर nostaligic भी नहीं। 1945 के बाद जो व्यवस्था नैतिक पुनर्निर्माण के आधार पर बनी थी, उसका भार अब खत्म हो चुका है। हम अब ऐसी दुनिया में रहते हैं जहाँ नैतिक ज्यामिति नहीं, बल्कि एल्गोरिद्म का हिसाब चलता है। जहाँ आक्रोश भी प्रतिस्पर्धा है, और स्मृति हर न्यूज़ साइकिल के साथ रीसेट हो जाती है। बीसवीं सदी में दानव थे, लेकिन अपराधबोध भी था। इक्कीसवीं सदी ने तमाशे को पूर्णता दी है। और फिर भी, इतिहास घूमकर वहीं आ गया है। जिस सदी को डिजिटल और लोकतांत्रिक होना था, वह अब मध्यकालीन लगती है, असमानताओं में सामंती, राजनीति में सांप्रदायिक, और नेतृत्व में निरंकुश। दुनिया का नक्शा प्रगति से ज़्यादा पतन जैसा दिखता है, सीमाएँ कठोर, पड़ोसी शत्रु, और राष्ट्र धर्म, पहचान, और भय को हथियार बनाते हुए। इतिहास बताता है कि लगभग हर बड़ा युद्ध पड़ोसियों के बीच लड़ा गया। हम फिर उसी खतरनाक नज़दीकी में पहुँच चुके हैं। इस युग का सबसे बड़ा ख़तरा युद्धों की संख्या नहीं, बल्कि उनके प्रति हमारी सहजता है। कभी कहा गया था दुनिया का अंत धमाके से नहीं, फुसफुसाहट से होगा। लेकिन अब शायद यह अंत अलग होगा खामोशी से नहीं, शोर से। उस शोर से जो क्रोध का है, पर कर्म का नहीं; जो शक्ति का है, पर सिद्धांत का नहीं; उन नेताओं का, जो वर्चस्व को नियति समझ बैठे हैं। डूम्सडे क्लॉक इसलिए अब सिर्फ़ वैज्ञानिक चेतावनी नहीं, बल्कि मानवीय अहंकार का प्रतीक है। आज यह घड़ी आधी रात से 89 सेकंड दूर है। कल इसकी सुइयाँ फिर चलेंगी — आगे या पीछे — यह इस पर निर्भर करेगा कि हम क्या चुनते हैं: सत्य या प्रचार, संयम या प्रदर्शन, मानवता या अहंकार। क्योंकि हमारा संकट समय का नहीं है, वह बुद्धि का है।

-श्रुति व्यास

रूस से तेल की खरीद... ट्रंप का दावा झूठा, भारत का फैसला कैसे बदल रहा दुनिया की तस्वीर, चीन कनेक्शन

एजेंसी वॉशिंगटन

यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस पर लगे पश्चिमी प्रतिबंधों ने वैश्विक ऊर्जा प्रवाह को बदल दिया है। भारत और चीन रूसी तेल के प्रमुख खरीदार बनकर उभरे हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बताया है कि भारत जल्द ही रूस से तेल की खरीद को बंद कर सकता है। लेकिन, कई विशेषज्ञों ने ट्रंप के दावे को खारिज किया है। उनका कहना है कि सवाल यह नहीं है कि भारत और चीन किससे तेल खरीदेंगे, बल्कि यह है कि वे किस मुद्रा में भुगतान करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी तेल खरीद को लेकर भारत से चिढ़े हुए हैं। उस कारण उन्होंने भारतीय निर्यात पर कठोर टैरिफ लगा दिया है। इसके बावजूद भारत ने कई बार ट्रंप के रूस से तेल खरीद बंद करने की मांग को खारिज किया है। लेकिन इस अमेरिकी टैरिफ से भारत और चीन के संबंधों में गर्मजोशी आई है, जिसे अमेरिका अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानता है। अब भारतीय व्यापारी कथित तौर पर देश के सरकारी रिफाइनरियों से रूसी तेल के लिए चीनी युआन में भुगतान करने का अनुरोध कर रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो यह अमेरिका के लिए और बड़ा झटका होगा। अमेरिका में यह आशंका है कि ट्रंप के कदम भारत को विभिन्न क्षेत्रों में रूस और चीन के साथ अपने सहयोग को और गहरा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। इस तरह के परिणाम को रोकने के उद्देश्य से, 19 अमेरिकी कांग्रेस सदस्यों के एक समूह ने हाल ही में ट्रंप से भारत पर टैरिफ समाप्त करने का आग्रह किया। ट्रंप के कदमों से अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक संबंध पहले ही बिगड़ चुके हैं और साथ ही बीजिंग को यूरेशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने में भी मदद मिली है। फिलहाल, इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि ट्रंप अपना रुख बदलेंगे और भारत पर रूस के साथ ऊर्जा सहयोग समाप्त करने का दबाव बनाना बंद करेंगे। लेकिन अगर नई दिल्ली ने वाशिंगटन को खुश करने और रूसी कच्चे माल की खरीद बंद करने के लिए कोई राजनीतिक सद्भावनापूर्ण कदम उठाया भी – जिसकी संभावना कम ही है – तो भी कोई गारंटी नहीं दे सकता कि अमेरिका टैरिफ कम करेगा। ट्रंप की अप्रत्याशित नीतियों से पूरी तरह वाकिफ भारत ने असंभव मांगें रखने की उनकी रणनीति अपनानी शुरू कर दी है। भारत ने रूस के साथ अपने ऊर्जा संबंध समाप्त करने के बदले में ईरान और वेनेजुएला से तेल खरीदने की अनुमति देने की मांग की है, जिस पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाए हुए हैं। माना जा रहा है कि यह भारत की सोची-समझी चाल का हिस्सा है, जिसके तहत वह अमेरिकी प्रशासन को यह दिखाना चाहता है कि इसके पास वर्तमान में रूस के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। भारत के दृष्टिकोण से, ऐसी खरीद को रोकना अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होगा। भारत में आने वाले कुल कच्चे तेल का लगभग एक तिहाई हिस्सा रूसी आपूर्ति से आता है, और नई दिल्ली ने पिछले तीन वर्षों में रूसी तेल खरीदकर कम से कम 12.6 अरब अमेरिकी डॉलर बचाए हैं। भारत के यूरोपीय देशों की राह पर चलते हुए अन्य उत्पादकों से तेल और गैस के लिए ज़्यादा भुगतान करने के लिए अपेक्षाकृत सस्ती रूसी ऊर्जा को छोड़ने की संभावना नहीं है। इस प्रकार, भारतीय अर्थव्यवस्था को संभावित नुकसान का जोखिम उठाने के लिए तैयार न होते हुए – जिसमें रूसी आपूर्ति बंद होने पर तेल आयात लागत में अनुमानित 10 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि भी शामिल है – अधिकारियों ने बार-बार कहा है कि वे अमेरिकी दबाव की परवाह किए बिना रूसी तेल खरीदना जारी रखेंगे। इसलिए, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि आने वाले महीनों में भारतीय रिफाइनर रूस से तेल आयात बढ़ाएंगे। लेकिन नई दिल्ली के लिए समस्या यह है कि यूरोपीय देश भारत की रिफाइनरियों में तेल ले जाने वाले रूसी छद्म बेड़े को रोकना जारी रख सकते हैं, जिससे देश की तेल आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो सकती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद एक दीर्घकालिक प्रथा बन जाती है, तो इससे रुपये को नुकसान हो सकता है, जो अगस्त में युआन के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया था। जुलाई 2023 में, भारतीय रिफाइनर पहली बार कुछ रूसी तेल आयातों के लिए युआन में भुगतान करना शुरू करेंगे। हालांकि, अक्टूबर तक, भारतीय व्यापारियों ने ऐसा करना जारी रखने से इनकार कर दिया है। भारत और चीन अब संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसे में नई दिल्ली का यह कदम उसके विशाल पड़ोसी के साथ घनिष्ठ संबंधों का संकेत देता है और वाशिंगटन से उसकी दूरी को और बढ़ाता है।

अफगानिस्तान से तनाव पर पाकस्तिान को भारत की चेतावनी... MEA ने तीन प्वाइंट में पड़ोसी मुल्क को दे दिया करारा जवाब

एजेंसी नई दिल्ली

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष की वजह से दोनों देशों के बीच बॉर्डर पर तनाव चरम पर है। इस संघर्ष में दोनों ओर से कई लोग मारे गए हैं। इसी बीच पाकिस्तान ने दावा किया अफगानिस्तान के साथ 48 घंटे के संघर्ष विराम पर सहमति बन गई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में भले ही संघर्ष विराम पर सहमति बन गई हो लेकिन भारत की निगाहें इस घटनाक्रम पर लगी हुई हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान को जमकर सुनाया। MEA प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव में तीन बातें स्पष्ट हैं। पहली, पाकिस्तान आतंकवादी संगठनों को पनाह देता है और आतंकवादी गतिविधियों को प्रायोजित करता है। दूसरी, अपनी आंतरिक विफलताओं के लिए अपने पड़ोसियों को दोष देना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आगे तीसरी बात का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तान इस बात से नाराज है कि अफगानिस्तान अपने क्षेत्रों पर संप्रभुता का इस्तेमाल कर रहा है। भारत, अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यही नहीं विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि वर्तमान में, काबुल में हमारा एक तकनीकी मिशन है। इस तकनीकी मिशन से दूतावास तक का स्थानांतरण अगले कुछ दिनों में होगा। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में तनाव का आगाज वैसे तो 2021 में ही हो गया था, जब अफगानिस्तान में तालिबान ने सत्ता संभाली थी। हालांकि, 10 अक्टूबर के बाद से सीमा पार संघर्ष में तेजी आई है और दोनों देशों का कहना है कि उन्होंने एक-दूसरे की तरफ से हुई सशस्त्र उकसावे की कार्रवाई के जवाब में हमले किए। बुधवार को दोनों पक्षों ने संघर्षविराम पर सहमति जताई यह समझौता क्षेत्रीय शक्तियों की अपील के बाद हुआ, क्योंकि यह हिंसा उस क्षेत्र की स्थिरता को खतरे में डाल रही थी, जहां इस्लामिक स्टेट और अल-कायदा जैसे आतंकी समूह फिर से सक्रिय होने की कोशिश कर रहे हैं। रातभर किसी बड़े संघर्ष की सूचना नहीं मिली, लेकिन बृहस्पतिवार को प्रमुख सीमा चौकियां बंद रहीं। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने इस संघर्षविराम का स्वागत किया और कहा कि वह हताहतों की संख्या का आकलन कर रहा है।

दुनिया में रेकॉर्ड स्तर तक बढ़ गया कॉर्बन डाईऑक्साइड का स्तर, CO2 के बढ़ने की क्या है वजह

एजेंसी वॉशिंगटन

हमारी धरती पर एक बड़े खतरे का सामना कर रही है जो ग्रह पर मौजूद जीवन के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। धरती के वायुमंडल में कॉर्बन डाईऑक्साइड (CO2) का स्तर साल 2024 में रेकॉर्ड स्तर तक बढ़ गया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) की एक नई रिपोर्ट में ये बताया गया है और कहा गया है कि इससे पृथ्वी का तापमान दीर्घकालिक रूप से और अधिक बढ़ने की संभावना है। रिपोर्ट में CO2 के बढ़ने के लिए मानवीय गतिविधियों से इसका लगातार उत्सर्जन, जंगलों में आग लगने की घटनाओं में लगातार वृद्धि के साथ ही जमीन के पारिस्थितिकी तंत्र और महासागरों से इसके अवशोषण में कमी को जिम्मेदार बताया गया है। WMO की रिपोर्ट के अनुसार, 1960 के दशक से CO2 की वृद्धि दर 0.8 पीपीएम प्रतिवर्ष के मुकाबले तीन गुना बढ़ गई है। 2011-20 के दशक में यह 2.4 पीपीएम प्रतिवर्ष हो गई। वहीं, 2023 से 24 में CO2 की वैश्विक औसत सांद्रता 3.5 पीपीएम मापी गई, जो 1957 में आधुनिक मापन शुरू होने के बाद से सबसे बड़ी वृद्धि है। इस बीच मानवीय गतिविधियों से जुड़ी दो अन्य महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण ग्रीनहाउस गैसें मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड भी रेकॉर्ड स्तर तक बढ़ गई है। WMO के उप महासचिव को बैरेट ने कहा, कॉर्बन डाईऑक्साइड और दूसरी ग्रीनहाउस गैसों से अवशोषित की जा रही ऊष्मा हमारी जलवायु को गर्म कर रही है, जो लगातार बढ़ती गर्मी का कारण बन रही है। उन्होंने उत्सर्जन में कमी को जलवायु के साथ ही इंसानों के लिए भी फायदेमंद बताया। ग्रीन हाउस बुलेटिन को 2004 में पहली बार जारी किया गया था। उस समय WMO के निगरानी केंद्र से मापी गई कॉर्बन डाईऑक्साइड का वार्षिक स्तर 377.1 पीपीएम था। 2024 में यह 423.9 हो गया। हर साल जितनी मात्रा में CO2 का उत्सर्जन होता है, उसका लगभग आधा हिस्सा वायुमंडल में रहता है और बाकी पृथ्वी के स्थलीय पारिस्थितिक तंत्र और महासागरों के जरिए अवशोषित कर लिया जाता है। लेकिन जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ता है, महासागर उच्च तापमान पर घुलनशीलता कम होने के कारण कम CO2 अवशोषित करते हैं। 2023 और 2024 के बीच रेकॉर्ड वृद्धि का संभावित कारण जमीन और महासागरों का कम CO2 अवशोषण था, जो रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष है। WMO के अनुसार, अल नीनो के दौरान भी CO2 का स्तर बढ़ जाता है। इस दौरान पेड़-पौधों के सूखने और जंगलों की आग के कारण जमीन की इसे अवशोषित करने की क्षमता कम हो जाती है। WMO की वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ओक्साना तारासेवा ने स्थलीय और महासागरीय CO2 सिंक के कम प्रभावी होने को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इसने वायुमंडल में CO2 की मात्रा बढ़ जाएगी, जिससे ग्लोबल वार्मिंग में तेजी आएगी।

अमेरिका ने तीर क्या फेंका, रूस ने चला दिया 'परमाणु बम'... ट्रंप और पुतिन के बीच भारत बना जंग का मैदान

एजेंसी मॉस्को

रूस ने गुरुवार को भारत के साथ दीर्घकालिक रक्षा साझेदारी पर जोर दिया है। उसने भारत के लिए एक बड़े रक्षा प्रयास की रूपरेखा भी प्रस्तुत की है। यह घोषणा तब हुई है, जब भारत और रूस के बीच तेल व्यापार को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चंद घंटों पहले ही दावा किया है कि भारत जल्द ही रूस से तेल की खरीदारी को बंद कर देगा। ऐसे में अमेरिका और रूस के बीच भारत अब जंग का मैदान बनता जा रहा है। दोनों देश भारत पर अलग-अलग तरीकों से जोर डाल रहे हैं। इस बीच भारत ने कहा है कि वह अपने नागरिकों के हितों में फैसले लेता रहेगा। भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा, "छह दशकों से भी अधिक समय से, रक्षा क्षेत्र में निर्बाध सहयोग भारतीय सेना की रीढ़ रहा है। यह सहयोग बहुत पहले ही पारंपरिक क्रेता-विक्रेता मॉडल से आगे बढ़कर संयुक्त उत्पादन और पूर्ण प्रौद्योगिकी-साझाकरण व्यवस्था तक पहुंच गया था।" उन्होंने रूसी समर्थन के बारे में बोलते हुए कहा, "भारत के लगभग 70 प्रतिशत सैन्य उपकरण रूसी मूल के हैं।" उन्होंने इसकी परिचालन सफलता की ओर इशारा करते हुए कहा, "यह ऑपरेशन सिंदूर द्वारा प्रदर्शित इसकी प्रभावशीलता का प्रमाण है।" उन्होंने संयुक्त उत्पादन की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा, "ब्रह्मोस सुपरसोनिक और जल्द ही हाइपरसोनिक बनने वाली क्रूज मिसाइलों, Su-30 MKI जेट, T-90 मुख्य युद्धक टैंक, AK-203 राइफलों और भारत में नौसैनिक फ्रिगेट के संयुक्त उत्पादन सहित हमारी साझा उपलब्धियाँ निरंतर विस्तारित होती रहेंगी।" भविष्य के सहयोग की ओर देखते हुए, उन्होंने कहा, "इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए, हम भारत के AMCA कार्यक्रम का समर्थन करते हुए, Su-57 पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के स्थानीय उत्पादन की ओर आत्मविश्वास से आगे बढ़ सकते हैं। ड्रोन, एंटी-ड्रोन सिस्टम, उन्नत रडार और अन्य बल गुणकों पर भी चर्चा चल रही है।" अलीपोव ने इस सहयोग की विशिष्ट प्रकृति पर जोर देते हुए बताया, "यह सहयोग अद्वितीय है क्योंकि यह युद्धक्षेत्र के अनुभव पर आधारित है जिसे रूस अपने भारतीय सहयोगियों के साथ स्वेच्छा से साझा करता है। यही बात हमारे संयुक्त त्रिपक्षीय सैन्य अभ्यास इंद्र पर भी लागू होती है, जिसका नवीनतम अभ्यास कल राजस्थान में संपन्न हुआ, साथ ही मिलन जैसे बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यासों और SCO आतंकवाद-रोधी अभ्यास शांति मिशन में हमारी भागीदारी पर भी लागू होती है।" बुधवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रंप ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें "आश्वासन" दिया था कि भारत रूसी तेल की खरीद बंद कर देगा। उन्होंने कहा, "मुझे खुशी नहीं थी कि भारत तेल खरीद रहा है। और उन्होंने (मोदी) आज मुझे आश्वासन दिया कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। यह एक बड़ा पड़ाव है।" कुछ घंटों बाद भारतीय विदेश मंत्रालय (MEA) ने एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि अस्थिर ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है, और देश का ऊर्जा आयात "पूरी तरह से इसी उद्देश्य से निर्देशित है।"

पाकिस्तान-अफगानिस्तान संघर्ष में इस्लाम के नाम पर कूदा यह मुस्लिम देश, कतर-सऊदी अरब नहीं है नाम

एजेंसी तेहरान

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में संघर्ष विराम के बावजूद सीमा पर तनाव जारी है। तालिबान ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान के किसी भी हिमाकत का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। इस्लामिक अमीरात ने बड़ी संख्या में तालिबान लड़ाकों को पाकिस्तानी सीमा के नजदीक तैनात किया है। इस बीच पाकिस्तान-अफगानिस्तान संघर्ष में पड़ोसी देश ईरान कूद पड़ा है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दोनों देशों के बीच हिंसा पर चिंता जताते हुए इसे इस्लाम के दुश्मनों की साजिश करार दिया है। ईरान की सीमा पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों से लगी है। ऐसे में इन दोनों देशों के बीच तनाव से ईरान खासा परेशान है। ईरानी राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में पेजेशकियन के हवाले से कहा कि इस्लामी देशों के बीच विवाद और संघर्ष "इस्लाम के दुश्मनों की साजिशों" का नतीजा हैं। उन्होंने आगे कहा, "इस्लामी उम्माह के दुश्मन हमेशा से मुस्लिम देशों में फूट डालने और उन्हें कमजोर करने की कोशिश करते रहे हैं। पेजेशकियन ने उम्मीद जताई कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान आपसी समझ और बातचीत के जरिए अपने मुद्दों को सुलझाएंगे और एक बार फिर दोस्ती, सहयोग और आपसी विश्वास के रास्ते पर चलेंगे। पेजेशकियन ने शांति और भाईचारे की दिशा में इस्लामी देशों के एकजुट होकर काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। ईरानी राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि मुस्लिम राष्ट्रों, विशेष रूप से इस क्षेत्र में साझा जड़ों और संस्कृतियों वाले राष्ट्रों के बीच आस्था, इतिहास और संस्कृति का एक अटूट बंधन है।पवित्र कुरान की शिक्षाओं का हवाला देते हुए, उन्होंने याद दिलाया कि सभी धर्मावलंबी भाई-भाई हैं और राष्ट्रों से शांति, न्याय और प्रगति के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। पेजेशकियन ने प्रस्ताव दिया कि बातचीत को बढ़ावा देना और भाईचारे के संबंधों को मजबूत करना अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने की प्रभावी रणनीति हो सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान अपने सभी संसाधनों और प्रयासों का उपयोग तनाव कम करने, बातचीत को बढ़ावा देने और दोनों पड़ोसी देशों के बीच भाईचारे के संबंधों को मजबूत करने के लिए करने के लिए प्रतिबद्ध है।

तुर्की को F-35 तो क्या सऊदी F-16 से मान जाएगा ? लड़ाकू विमान खरीद पर फंस सकता है ट्रंप और MBS में पेच, दोस्ती में आएगी दरार

एजेंसी रियाद

इस साल मई में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब का दौरा किया था। इस दौरान सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से उनकी जिन विषयों पर चर्चा हुई, उनमें F-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की बिक्री शामिल बताई गई। हालांकि रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने का दावा करने के बावजूद वॉशिंगटन लड़ाकू विमान देने से पलट सकता है। अमेरिका की ओर से सऊदी को F-35 की जगह F-16 का ऑफर दिया जा सकता है। हालांकि सवाल यह है कि सऊदी अरब कम उन्नत लड़ाकू विमानों को क्यों स्वीकार करेगा। सऊदी इसलिए भी कड़ा रुख अपना सकता है क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से 25 सितंबर को वाइट हाउस में हुई मुलाकात के बाद अंकारा को F-35 फाइटर जेट मिलने की चर्चा है। आवाज मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब में F-35 विमानों की खरीद की संभावना पर चर्चा हुई थी। हालांकि वाइट हाउस की फैक्टशीट में लड़ाकू विमानों का जिक्र नहीं था। इसमें केवल वायु सेना की उन्नति और अंतरिक्ष क्षमताओं के साथ वायु और मिसाइल रक्षा का अस्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था, जो 142 अरब अमेरिकी डॉलर के सौदे का हिस्सा थे। ऐसे में यह मुद्दा सऊदी-अमेरिका जैसे पुराने दोस्तों में तनातनी की वजह भी बन सकता है। इस क्षेत्र में फिलहाल इजरायल अकेला F-35 ऑपरेटर है। वॉशिंगटन कानूनी रूप से पड़ोसियों की तुलना में इजरायल की सैन्य बढ़त को बनाए रखने को बाध्य है। यह बाध्यता सऊदी अरब को F-35 विमानों की किसी भी संभावित बिक्री को जटिल बनाता है। इसके चलते ट्रंप की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कथित तौर पर सऊदी को पांचवीं पीढ़ी के F-35 विमानों के बजाय चौथी पीढ़ी के F-16 विमान खरीदने के लिए प्रेरित करने पर विचार किया है। अमेरिका की ओर से कहा जा सकता है कि F-35 की बजाय F-16 विमान खरीद लीजिए। इसमें सवाल यह है कि सऊदी अरब आखिर कम उन्नत और गैर-स्टील्थ लड़ाकू विमान क्यों स्वीकार करेगा। सऊदी के पास पहले ही 4.5 पीढ़ी के यूरोपीय और अमेरिकी जेट का बेड़ा है। ऐसे में अब उसकी नजर पांचवीं पीढ़ी के विमानों पर है। वह चौथी पीढ़ी के लिए विमान क्यों लेगा, जब विश्व पांचवीं पीढ़ी के जेट की तरफ जा रहा है। जोखिम खुफिया कंपनी RANE के वरिष्ठ विश्लेषक रयान बोहल ने आवाजमीडिया से कहा कि रियाद निश्चित रूप से F-35 को प्राथमिकता देगा। हालांकि F-16 भी सऊदी अरब की वायु शक्ति को बढ़ाएगा और उसे ईरान और हूतियों को रोकने की क्षमता प्रदान करेगा। हालांकि सऊदी अरब F-16 विमान तभी खरीद सकता है, जब वे कम कीमत पर ज्यादा संख्या में मिले। सेंटर फॉर यूरोपियन पॉलिसी एनालिसिस के रक्षा विशेषज्ञ रॉब्लिन ने कहा कि F-16 सऊदी के लिए कोई 'प्रतिष्ठा' वाली खरीदारी नहीं होगी। यह सिर्फ वॉशिंगटन के साथ संबंधों को बचाए रखने जैसा होगा। इस प्रकार, मुझे GCAP के साथ कोई बड़ा ओवरलैप नहीं दिखता। हालांकि अमेरिका तकनीक के स्तर पर कोई बड़ा वादा करता है तो सऊदी इनको स्वीकार सकता है।

सिर्फ एक शतक और... सचिन तेंदुलकर के महारिकॉर्ड तोड़ देंगे विराट कोहली, कोई आसपास भी नहीं

एजेंसी नई दिल्ली

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज 19 अक्टूबर से शुरू हो रही है। भारतीय टीम के दो धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा इस सीरीज में खेलेंगे। मार्च में आखिरी बार दोनों भारतीय टीम की जर्सी में नजर आए थे। तब रोहित की कप्तानी में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। इस सीरीज के लिए भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है। पर्थ में खिलाड़ियों ने प्रैक्टिस सेशन में भी हिस्सा लिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में विराट कोहली के पास सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ने का सुनहरा मौका है। अगर कोहली इस वनडे सीरीज में एक शतक जड़ देते हैं तो वह एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा 52 शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। विराट के वनडे में अभी 51 शतक है। सचिन तेंदुलकर के बल्ले से टेस्ट में 51 शतक निकले हैं। 1989 से 2013 के बीच सचिन ने 200 टेस्ट खेले थे। विराट कोहली पहले से ही वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2023 के वर्ल्ड कप के दौरान सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा था। सचिन के बल्ले से वनडे में 49 शतक निकले थे। विराट ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना 50वां शतक लगाया था। इस साल चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ भी शतक लगाया था। हालांकि इंटरनेशनल क्रिकेट में सचिन के 100 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए विराट को अभी 18 शतकों की जरूरत है। पर्थ स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला वनडे होगा। इसके बाद 23 अक्टूबर को दूसरा मुकाबला एडिलेड में खेला जाएगा। 25 को आखिरी मैच सिडनी क्रिकेट स्टेडियम पर खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज भी होगी। विराट और रोहित सिर्फ वनडे सीरीज में खेलेगी।

रणजी ट्रॉफी में दो युवा बल्लेबाजों की धमाकेदार एंट्री, अभिनव तेजराणा और आयुष दोसेजा ने डेब्यू में दोहरा शतक ठोका

एजेंसी नई दिल्ली

रणजी ट्रॉफी 2025-26 के अपने पहले मैच में दिल्ली का मुकाबला हैदराबाद से हो रहा है। दिल्ली के लिए इस मैच में युवा बल्लेबाज आयुष दोसेजा ने डेब्यू किया। नेक्स्टजेन क्रिकेट स्टेडियम पर खेले जा रहे मुकाबले में दोसेजा ने दोहरा शतक लगा दिया। वह 5वें नंबर पर बल्लेबाज करने उतरे। उस समय टीम का स्कोर 3 विकेट पर 113 रन था। सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान क्रीज पर सेट थे। आयुष और सनत की जोड़ी ने इसके बाद 95 ओवर बैटिंग की। 23 साल के आयुष दोसेजा के बल्ले से 209 रनों की पारी निकली। मिलिंद की गेंद पर बोल्ड होने से पहले उन्होंने 25 चौके और 5 छक्के मारे। अपनी पारी में उन्होंने 279 गेंदों का सामना किया। सनत ने नाबाद 211 रन बनाए। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 319 रनों की साझेदारी हुई। 4 विकेट पर 529 रन बनाकर दिल्ली ने अपनी पारी घोषित कर दी। एक और बल्लेबाज ने अपने फर्स्ट क्लास डेब्यू में शतक लगा दिया है। गोवा की टीम की टक्कर चंडीगढ़ से हो रही है। इसमें गोवा के लिए खेलते हुए अभिनव तेजराणा

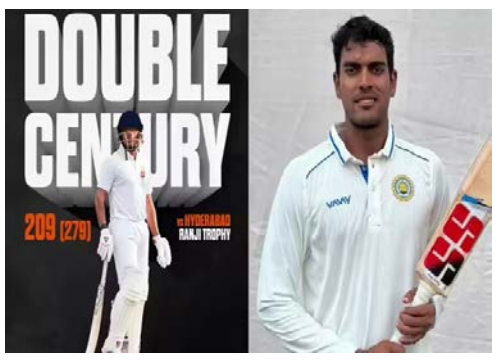

ने 205 रन ठोके। 320 गेंदों की अपनी पारी में उन्होंने 21 चौके और 4 छक्के मारे। दिल्ली के ललित यादव इस सीजन गोवा के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने 213 रन ठोके। ललित और तेजराणा के बीच चौथे विकेट के लिए 309 रनों की साझेदारी हुई। अभी तक भारत के 13 ही खिलाड़ियों ने फर्स्ट क्लास डेब्यू मैच में दोहरा शतक लगाया था। बिहार के सकीबल गनी ने इसमें तिहरा शतक जड़ा था। हालांकि इनमें से सिर्फ गुंडप्पा विश्वनाथ को ही भारत के लिए डेब्यू करने का मौका मिला।

फर्स्ट क्लास डेब्यू में दोहरा शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी
गुंडप्पा विश्वनाथ
अमोल मजूमदार
अंशुमान पांडे
मनप्रीत जुनेजा
जीवनजोत सिंह
अभिषेक गुप्ता
अजय रोहेरा
मयंक राघव
अर्सलान खान
सकीबुल गनी
पवन शाह
सुवेद पारकर
जय गोहिल
अभिनव तेजराणा
आयुष दोसेजा

चयनकर्ता कर रहे नजरअंदाज और रनों का ढेर लगा रहे रजत पाटीदार, एक और शतक ठोक दिया

एजेंसी इंदौर

रणजी ट्रॉफी 2025-26 का आगाज हो गया है। 15 अक्टूबर से पंजाब और मध्य प्रदेश का मैच चल रहा है। इस मैच में मध्य प्रदेश के कप्तान और स्टार बल्लेबाज रजत पाटीदार ने पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए दमदार शतक ठोका है। पाटीदार ने यह कारनामा मैच के दूसरे दिन किया। वह शतक जड़कर आउट नहीं हुए बल्कि अब भी नाबाद हैं। रजत पाटीदार ने दूसरे दिन खेल खत्म होने तक 185 गेंदों में 107 रन बना लिए हैं। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके जड़े हैं। यह उनका 16वां प्रथम श्रेणी शतक है। डॉमेस्टिक सीजन शुरू होने से पहले ही रजत पाटीदार को मध्य प्रदेश का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने शुभम शर्मा को बतौर कप्तान रिप्लेस किया। कप्तानी में रजत पाटीदार का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 18 साल बाद आईपीएल का चैंपियन बनाया। फिर उन्होंने सेंट्रल जोन को दलीप ट्रॉफी अपनी कप्तानी में जिताई। 32 साल के रजत पाटीदार पिछले सीजन रणजी ट्रॉफी में मध्य

प्रदेश के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी थे। उन्होंने 48.09 की औसत से 529 रन बनाए। इसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। रजत पाटीदार ने भारत के लिए टेस्ट में 2024 में डेब्यू कर लिया था। उनको इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में मौका मिला था। लेकिन, उस मौके को पाटीदार भुना नहीं पाए थे जिसके बाद उनको ड्रॉप कर दिया गया। उसके बाद से पाटीदार भारतीय टेस्ट टीम में कमबैक करने को देख रहे हैं। रजत पाटीदार ने घरेलू रेड बॉल क्रिकेट में कुछ शानदार पारियां खेली हैं। वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने पिछली आठ पारियों में तीन शतक और तीन अर्धशतक ठोके हैं। वहीं, दलीप ट्रॉफी में भी दो सेंचुरी जड़ी थी। अब देखते हैं उनको कमबैक का मौका सिलेक्टर्स कब देते हैं। रजत पाटीदार ने भारतीय टीम के लिए 3 टेस्ट और 1 वनडे मुकाबला खेला है, जिसमें उन्होंने क्रमशः 63 और 22 रन बनाए हैं।

विराट कोहली-रोहित शर्मा ने एक साथ की प्रैक्टिस, नेट्स में जमकर बहाया पसीना, कांप रहे होंगे कंगारू

एजेंसी पर्थ

सीनियर स्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा ने पर्थ पहुंचते ही जमकर अभ्यास किया और रविवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही एकदिवसीय सीरीज से पहले भारतीय टीम के पहले ट्रेनिंग सत्र के दौरान नेट्स पर काफी पसीना बहाया। सभी की निगाहें रोहित और कोहली पर है जो पिछली बार भारत के लिए फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान खेले थे और अब केवल 50 ओवर के प्रारूप में ही उपलब्ध हैं। दोनों पूर्व भारतीय कप्तान ने नेट्स में करीब 30 मिनट तक बल्लेबाजी की। भारतीय टीम 29 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैच के सीमित ओवरों के दौरे के लिए बुधवार और गुरुवार को दो समूहों में यहां पहुंची। रोहित को नेट्स में समय बिताने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लंबी बातचीत करते भी देखा गया। बता दें कि नेट्स में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने एक साथ बैटिंग की। सोशल मीडिया पर दोनों के एक साथ बैटिंग करते हुए वीडियो भी वायरल हो रही है। रोहित और विराट एक ही फ्रेम में नजर आ रहे हैं। कोहली और रोहित दोनों ने इस साल की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और पिछले साल बारबडोस में विश्व कप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहा था। यह आखिरी बार हो सकता है जब ये दोनों महान खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया में खेलें। विश्व कप 2027 में इन दोनों की भागीदारी अभी तय नहीं है क्योंकि उस समय उनकी फॉर्म और फिटनेस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। हालांकि नए कप्तान शुभमन गिल ने दोनों सुपरस्टार्स के अपार अनुभव को देखते हुए उनका समर्थन किया है। नेट सत्र के बाद कोहली को गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल के साथ बातचीत करते देखा गया जिसके बाद उन्होंने तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ भी बात की। टीम का शुक्रवार और शनिवार को एक ट्रेनिंग सत्र है।

व्यापार

भारत में बढ़ी सोने की तस्करी, त्योहारों से पहले रेकॉर्ड तोड़ कीमत और सप्लाई की कमी बनी कारण

एजेंसी नई दिल्ली

सोने की कीमत एक इस आसमान छू रही है। वहीं त्योहारों और शादी के सीजन में इसकी मांग में भी तेजी आएगी। ऐसे में भारत में सोने की तस्करी बढ़ गई है। सरकार और इंडस्ट्री के अधिकारियों ने रॉयटर्स को यह जानकारी दी। ऐसा रिकॉर्ड तोड़ कीमतों और सप्लाई की कमी के कारण हो रहा है। सरकार ने पिछले साल सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी 15% से घटाकर 6% कर दी थी। इसके बाद दुनिया के दूसरे सबसे बड़े सोने के खरीदार भारत में सोने की तस्करी कम हो गई थी। लेकिन हाल के हफ्तों में कस्टम और डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने बताया कि तस्करी फिर से बढ़ गई है। कई एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी की कोशिशों को नाकाम किया गया है। चेन्नई के एक बड़े सोने के व्यापारी ने बताया कि पहले भारत में सोना लाना और उसे बेचना बहुत मुश्किल और जोखिम भरा काम था। लेकिन अब त्योहारों की वजह से सोने की मांग बहुत ज्यादा है और सप्लाई कम है। इसलिए तस्कर कुछ ही घंटों में सोने को

बेचकर मुनाफा कमा लेते हैं। गुरुवार को सोने का भाव रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने का भाव 1,28,395 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया। इस साल अब तक सोने के दाम 65% से ज्यादा बढ़ चुके हैं। इतनी ऊंची कीमतों पर 6% इंपोर्ट ड्यूटी और 3% लोकल सेल्स टैक्स बचाकर सोना तस्करी करना 'ग्रे मार्केट' के लिए बहुत फायदेमंद हो गया है। एक किलोग्राम सोना तस्करी करने पर 1.15 मिलियन रुपये से ज्यादा का मुनाफा हो रहा है। मुंबई के एक बड़े सोने के व्यापारी ने कहा कि जैसे-जैसे सोने के दाम बढ़ रहे हैं, तस्करों की कमाई भी बढ़ रही है। अब उनके लिए यह बहुत आकर्षक हो गया है। जब जुलाई में इंपोर्ट ड्यूटी कम की गई थी, तब तस्करों का मुनाफा प्रति किलोग्राम 6,30,000 रुपये रह गया था। कुछ दिनों बाद धनतेरस और दिवाली है। इन मौकों पर सोना खरीदना बहुत शुभ माना जाता है। वहीं कुछ दिनों बाद शादी का भी सीजन शुरू हो जाएगा। ऐसे में सोने की मांग में तेजी आने वाली है। इस कारण सोने की तस्करी में तेजी आई है। वित्त वर्ष 2024-25 में सरकारी एजेंसियों ने सोने की तस्करी के 3005 मामले दर्ज किए। उन्होंने 2.6 मीट्रिक टन सोना जब्त किया।

चांदी की कीमत 2 लाख रुपये प्रति किलो पार, चेन्नई में बन गया रेकॉर्ड, आज कितना आया उछाल

एजेंसी नई दिल्ली

चांदी की कीमत थमने का नाम नहीं ले रही है। गुरुवार को भी इसमें तेजी आई। चेन्नई में तो इसकी कीमत का रेकॉर्ड बन गया। चेन्नई में चांदी की कीमत गुरुवार को 2 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गई। इसकी वजह त्योहारी मांग का बढ़ना और कीमती धातुओं में आई तेजी है। गुड रिटर्न्स के आंकड़ों के मुताबिक, चेन्नई के बाजार में चांदी 2,06,000 रुपये प्रति किलो पर बिकी। यह पिछले दो हफ्तों में करीब 28% की बढ़ोतरी है। 1 अक्टूबर को चांदी की कीमत 1,61,000 रुपये प्रति किलो थी, यानी इस महीने की शुरुआत से अब तक 45,000 रुपये का उछाल आया है। धनतेरस और दिवाली नजदीक आने के कारण चेन्नई के ज्वैलर्स चांदी के सिक्कों, बर्तनों और हल्के गहनों में लोगों की दिलचस्पी बढ़ी हुई बता रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि सोने के दाम अभी भी ऊंचे बने हुए हैं। चेन्नई में चांदी की यह तेजी भारत और दुनिया भर के बाजारों के रुझान को दर्शाती है। इन बाजारों में भी चांदी की कीमत 1.9 लाख रुपये प्रति

किलो को पार कर गई है। विश्लेषकों का कहना है कि इस उछाल के पीछे औद्योगिक मांग का मजबूत होना, निवेशकों का सुरक्षित निवेश की ओर झुकाव और अमेरिकी डॉलर का कमजोर होना शामिल है। साथ ही, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में और कटौती की उम्मीदें भी इसके कारण हैं। गुरुवार को चांदी की कीमत में जबरदस्त उछाल आया है। चांदी के दाम 2000 रुपये बढ़ गए और यह अपने रिकॉर्ड स्तर के करीब 1,84,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। मंगलवार को चांदी 1,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी। वहीं, सोने के दाम में थोड़ी नरमी आई है। रेकॉर्ड स्तर से सोने के भाव 200 रुपये गिरकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 1,31,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गए हैं। ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन के अनुसार यह मुनाफावसूली की वजह से हुआ है। इंटरनेशनल मार्केट में भी चांदी की चमक बढ़ी है। स्पॉट सिल्वर 53.05 डॉलर प्रति औंस पर थोड़ा ऊपर चढ़ा है। इससे पहले मंगलवार को यह 53.62 डॉलर प्रति औंस के रेकॉर्ड स्तर पर था। वहीं स्पॉट गोल्ड करीब 1% चढ़कर 4,246.08 डॉलर प्रति औंस के नए रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

एलआईसी लाई दो नए धांसू प्लान, ऑटो कवर से लेकर पॉलिसी लोन तक की सुविधा

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) ने दो नई स्कीम शुरू की हैं। पहली है एलआईसी जन सुरक्षा योजना। यह खास तौर पर कम आय वाले लोगों के लिए है। दूसरी है एलआईसी बीमा लक्ष्मी योजना। यह सिर्फ महिलाओं के लिए है। एलआईसी ने बताया कि ये दोनों योजनाएं नए जीएसटी व्यवस्था के तहत एलआईसी के पहले उत्पाद हैं।

1. एलआईसी जन सुरक्षा योजना (880), यह एक एक जीवन माइक्रो इंश्योरेंस स्कीम है। यह एक नॉन-पार्टिसिपेटिंग, नॉन-लिंक्ड व्यक्तिगत बचत बीमा योजना है। इस योजना का फायदा यह है कि अगर पॉलिसीधारक की पॉलिसी अवधि के दौरान दुर्भाग्यवश मृत्यु हो जाती है, तो उसके परिवार को आर्थिक मदद मिलेगी। वहीं अगर पॉलिसीधारक जीवित रहता है, तो मैच्योरिटी पर उसे एकमुश्त राशि मिलेगी। इस योजना में न्यूनतम बेसिक सम एश्योर्ड 1,00,000 रुपये है। प्रति व्यक्ति अधिकतम बेसिक सम एश्योर्ड 2,00,000 रुपये है। बेसिक सम एश्योर्ड 5,000 रुपये के गुणकों में होगा। जन सुरक्षा योजना की पॉलिसी अवधि 12 से 20 साल तक हो सकती है। प्रीमियम भरने की अवधि पॉलिसी अवधि से 5 साल कम होगी। जन सुरक्षा योजना की मुख्य विशेषताएं यह एक लाइफ माइक्रो इंश्योरेंस प्लान है। प्रीमियम का भुगतान सीमित अवधि के लिए किया जा सकता है।

तीन साल का पूरा प्रीमियम भरने के बाद ऑटो कवर की सुविधा मिलती है। एक साल का पूरा प्रीमियम भरने और पॉलिसी का पहला साल पूरा होने के बाद पॉलिसी लोन की सुविधा उपलब्ध है।

पॉलिसी की शुरुआत से लेकर अंत तक गारंटीड एडिशन मिलते रहते हैं।

2. बीमा लक्ष्मी योजना (881), एलआईसी बीमा लक्ष्मी योजना एक नॉन-लिंक्ड योजना है। यह जीवन बीमा कवर प्रदान करती है और हर 2 से 4 साल में या प्रीमियम भरना बंद करने के बाद निश्चित अवधि पर पैसा वापस देती है। यह योजना खास तौर पर महिलाओं के लिए बनाई गई है। इस योजना में कुछ बीमारियों का कवर भी शामिल है और यह मैच्योरिटी पर आकर्षक गारंटीड मैच्योरिटी बेनिफिट्स भी देती है।

श्रीशैलम मंदिर जहां होता है शिव और शक्ति का संगम, यहां गणेश जी के अदृश्य रजिस्टर में होता है सबका हिसाब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 अक्टूबर 2025 को आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम में स्थित श्री भ्रामरांबा मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। यह उनका इस प्राचीन तीर्थस्थल पर पहला दौरा था। नल्लमाला की पहाड़ियों और कृष्णा नदी के किनारे बसे इस मंदिर को ज्योतिष और अध्यात्म की दृष्टि से अत्यंत शक्तिशाली माना जाता है। यह ज्योतिर्लिंग और शक्ति पीठ दोनों का संगम है। यह मंदिर देश का एकमात्र ऐसा स्थान है जहां भगवान शिव 'मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग' के रूप में और माता पार्वती 'भ्रामरांबा शक्ति पीठ' के रूप में एक साथ विराजमान हैं। यह स्थान ब्रह्मांड की पुरुष और स्त्री ऊर्जा का अद्भुत संगम माना जाता है। कहा जाता है कि श्रीशैलम का ज्योतिर्लिंग दिनभर में अपना रंग बदलता रहता है। यह सुबह हल्का सफेद, दोपहर में पीला और शाम होते होते लालिमा लिए हुए दिखता है। एक किंवदंती ये भी है कि महाभारत काल में पांडवों ने अपने वनवास के दौरान यहां पांच गुप्त शिवलिंग स्थापित किए थे। कहा जाता है कि इनके स्थान की जानकारी सिर्फ कुछ चुनिंदा पुजारियों को ही है। 'मल्लिकार्जुन' नाम के पीछे एक कथा जुड़ी हुई है। कहा जाता है कि देवी पार्वती ने मोम से बने शिवलिंग पर मल्लिका यानी चमेली के फूल चढ़ाए थे। जिसके बाद वह लिंग पिघला नहीं। तभी भगवान शिव स्वयं प्रकट हुए। तब से आज तक भक्त यहां शिव को चमेली के फूल अर्पित करते हैं। 16वीं सदी की एक कथा के अनुसार नाग अंपला नामक एक दिव्य सर्प ने इस मंदिर की रक्षा की थी। माना जाता है कि आज भी इस क्षेत्र में नाग देवता की उपस्थिति बनी हुई है और वे मंदिर की परिक्रमा करने वालों की रक्षा करते हैं।

2021 में यहां खुदाई के दौरान 21 प्राचीन ताम्रपत्र मिले थे, जिनमें 3वीं से 14वीं शताब्दी के बीच की दान संबंधी जानकारियां थीं।

'दक्षिण कैलाश' के रूप में प्रसिद्ध प्राचीन ग्रंथों में श्रीशैलम को 'दक्षिण कैलाश' कहा गया है। मान्यता है कि एक बार माता पार्वती भैरि का रूप धारण कर यहां तपस्या करने आईं, इसलिए देवी का नाम 'भ्रामरांबा' पड़ा। एक लोककथा के अनुसार मंदिर के प्रवेश द्वार पर गणेश जी का एक अदृश्य रजिस्टर हैं, जिसमें हर भक्त के पाप और पुण्य दर्ज होते हैं। कहा जाता है कि यहां साधना करने से चंद्र-शक्ति और सूर्य-ऊर्जा दोनों का संतुलन प्राप्त होता है।

शादी में आ रही है बाधा, जानें वजह और उपाय, साल 2026 में बज उठेगी आपकी भी शादी की शहनाई

शादी में आ रही है बाधा और बार-बार बात बनते बनते रह जाती है। ऐसे में आपका मन निराश हो रहा है। तो सबसे पहले यह जानने की जरूरत है कि शादी में बाधा की वजह क्या है। अक्सर देखा जाता है कि सब कुछ ठीक होता है। दोनों पक्षों की मंजूरी भी होती है लेकिन फिर भी शादी की बाद बीच में ही रह जाती है और रिश्ता बन नहीं पाता है। ऐसी स्थिति आने पर लड़का और लड़की दोनों ही मानसिक रूप से परेशान होते हैं साथ ही परिवार के लोगों पर भी मानसिक दबाव बना रहता है। ऐसे में मन में सवाल उठने लगता है कि क्या किया जाए कि विवाह के योग प्रबल हो जाएं। इस चक्कर में लोग कई बार ठग ज्योतिषीयों के चक्कर में पड़ जाते हैं। इसलिए अगर ज्योतिषीय सलाह की जरूरत हो तो किसी अनुभवी और ज्ञानी ज्योतिषी से ही संपर्क करना चाहिए जो आपको बता सकते हैं कि विवाह में क्यों बाधा आ रही। कब शादी के योग बनेंगे और किन उपायों से आपको लाभ मिलेगा। फिलहाल आपको बता दें कि, क्यों शादी में अक्सर बाधा आती है, क्यों शादी की बात बनते-बनते रह जाती है। और किन उपायों से आपको फायदा मिल सकता है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार किसी भी व्यक्ति की कुंडली में सप्तम भाव का विवाह के संदर्भ में बड़ा ही महत्व होता है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार सप्तम भाव विवाह का कारक भाव होता है। यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में शनि, राहु, केतु या मंगल यानी पाप ग्रहों की दृष्टि होती है। अथवा युति बनती है तो विवाह में देरी का योग बनता है। ज्योतिषशास्त्र में मंगल को उग्र और पाप ग्रह की श्रेणी में रखा गया है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार जिस व्यक्ति की कुंडली में मंगल प्रथम भाव, चतुर्थ भाव, सप्तम भाव, अष्टम भाव, द्वादश भाव में होता है उनकी कुंडली में मांगलिक दोष उपस्थित माना जाता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार दूसरा भाव परिवार का भाव होता है। यहां भी मंगल का होना विवाह संबंधी मामलों में अनुकूल नहीं होता है। ऐसे में विवाह में देरी होना, विवाह के बाद जीवनसाथी के साथ तालमेल की कमी होना व्यक्ति को परेशान करता है। शनि ग्रह को क्रूर ग्रह माना गया है, इस पर शनि की दृष्टि को तो सबसे ज्यादा प्रतिकूल माना गया है। विवाह में भी शनि की दृष्टि बाधक होती है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार जिस व्यक्ति की जन्मपत्री में शनि शुक्र को अपनी दृष्टि से पीड़ित करता है। या सप्तम भाव पर शनि की दृष्टि होती है तो विवाह में देरी होने का प्रबल योग बन जाता है। शुक्र ग्रह को ज्योतिषशास्त्र में शुभ ग्रह माना गया है। इसे विवाह और वैवाहिक जीवन के सुख का कारक ग्रह भी बताया गया है। अगर किसी व्यक्ति कुंडली में शुक्र पीड़ित अवस्था में है तो इसका मतलब है कि आपको वैवाहिक जीवन में परेशानी आ सकती है। साथ ही शुक्र के नीच राशि में होने पर या अनुकूल नहीं होने पर विवाह में भी अड़चन आती है, और बनती बात भी बिगड़ जाती है। इनके अलावा राहु केतु की स्थिति और ग्रहों की दशा अंतर्दशा भी वैवाहिक जीवन और विवाह संबंधी मामलों में प्रभाव देखा जाता है। विवाह मे बाधा किस वजह से आ रही है सबसे पहले यह जानना होगा। इसके बाद आप उस ग्रह विशेष के उपाय करें जिसके कारण विवाह में दिक्कत आ रही है। वैसे सामान्य रूप से आप इन उपायों को आजमा सकते हैं।

1. किसी सुहागन महिला को सुहाग सामग्री का दान करें।
2. मंगलवार का व्रत रखें और ओम क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः। मंत्र का जप करें।

धनतेरस के दिन भूलकर भी न करें ये गलतियां, पूरे साल भर पड़ेगा पछतानां

धनतेरस से पांच दिनों तक चलने वाले दिवाली के त्योहार की शुरुआत होती है। इसे धन त्रयोदशी और धन्वन्तरि त्रयोदशी भी कहा जाता है। 18 अक्टूबर को धनतेरस का त्योहार मनाया जाएगा। त्रयोदशी के दिन ही देवी लक्ष्मी समुद्र मंथन से प्रकट हुई थी। इस दिन मां लक्ष्मी और धन के देवता भगवान कुबेर की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन नए बर्तन, झाड़ू, भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की मूर्ति खरीदना बेहद शुभ माना जाता है। हालांकि, धनतेरस के दिन कुछ गलतियां आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती हैं। आइए, जानते हैं कि धनतेरस की शाम कौन से काम नहीं करने चाहिए। धनतेरस पर बृहस्पति की चाल में बदलाव, मेष से कन्या राशि वालों के जीवन में आएंगे ऐसेपरिवर्तन धनतेरस को झाड़ू खरीदना शुभ माना जाता है, लेकिन शाम के समय घर में झाड़ू लगाने से बचना चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी रुष्ट हो जाती हैं। मान्यता है कि इस दिन शाम के समय झाड़ू लगाने से घर में दुख और दरिद्रता का वास होता है। इसलिए भूलकर भी धनतेरस की शाम को घर में झाड़ू नहीं लगनी चाहिए। ऐसे में सुबह ही घर की सफाई कर लें। खासकर इस दिन अपने दरवाजे पर गंदगी न रहने दें। धनतेरस की रात देवी लक्ष्मी पृथ्वी पर आती हैं और शुभता का आशीर्वाद देती हैं। इस दिन भूलकर भी घर के दरवाजे पूरी तरह बंद न करें। दरवाजे को थोड़ा खुला रहने दें ताकि आपके घर मां लक्ष्मी का आगमन हो सके और घर में सुख-समृद्धि बनी रहे। धनतेरस के दिन दान करना शुभ माना जाता है। लेकिन शाम के समय किसी को कुछ देना आपके लिए अशुभ हो सकता है। इस दिन शाम को नमक या चीनी का दान करना अशुभ माना गया है। ऐसा करने से मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं और घर से चली जाती हैं। इसके अलावा शाम के समय नमक दान करने से राहु का प्रभाव बढ़ता है, जिससे परिवार में आर्थिक अस्थिरता और मानसिक तनाव बढ़ सकता है। इसलिए शाम के समय किसी को भी नमक न दें। धनतेरस पर देवी लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा की जाती है। इस दिन किसी को पैसा उधार देने से घर से आर्थिक नुकसान हो सकता है। ऐसे में धनतेरस के दिन पैसा उधार देने से बचना चाहिए। इस दिन किसी को पैसा उधार देने से घर से लक्ष्मी-कुबेर कृपा चली जाती है। माना जाता है कि ऐसा करने से धन की हानि होती है और परिवार में दरिद्रता का वास होता है। इसलिए धनतेरस की शाम को किसी को उधार न दें। धनतेरस की शाम अपने घर को पूरी तरह से बंद न करें और न ही उसमें ताला लगाएं। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इसी समय माता लक्ष्मी विचरण करती हैं और समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। ऐसे में अगर घर पूरी तरह से बंद होगा तो देवी लक्ष्मी प्रवेश नहीं करेंगी। इसलिए परिवार के किसी ने किसी सदस्य को घर पर रहना जरूरी है। धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसी वजह से धातु के बर्तन खरीदना बहुत शुभ माना जाता है। लेकिन इन्हें खाली घर में नहीं लाना चाहिए। माना जाता है कि खाली बर्तन घर में दरिद्रता का संकेत देते हैं। इसलिए जब भी बर्तन खरीदें, उनमें थोड़ा पानी, गुड़, खील या बताशे डालकर घर लाएं।

आर्थिक राशिफल : सर्वार्थ सिद्धि योग और रमा एकादशी का शुभ संयोग, मेष, कर्क सहित इन राशियों को मिलेगा मनोवांछित फल

मेष राशि यात्रा में आपको सफलता मिलेगी
रमा एकादशी का दिन मेष राशि के जातकों के लिए शुभ रहने वाला है। आज के दिन की गई यात्रा में आपको सफलता मिलेगी। हालांकि दोपहर के बाद किसी उच्चाधिकारी से वाद-विवाद की स्थिति बनती हुई नजर आ रही है। इस दौरान कानूनी मामलों में नया मोड़ आ सकता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपनी भाषा पर नियंत्रण रखें। शाम के समय योजनाओं की पूर्ति से लाभ प्राप्ति के संयोग बन रहे हैं। घर में किसी अतिथि के आने से खर्चे बढ़ सकते हैं।

वृष राशि के जातकों के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। कार्यस्थल पर किसी अधिकारी से मतभेद संभव दिख रही है। हालांकि अपने कार्य कौशल और आत्मविश्वास से आप विरोधियों पर भी आज के दिन विजय प्राप्त कर लेंगे। घर के उपयोग के लिए किसी वस्तु की आज खरीदारी कर सकते हैं। शुभ कार्यों में खर्च के योग बन रहे हैं। वहीं, दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और परिवार के साथ समय बिताने का समय मिलेगा।

मिथुन राशि वालों के लिए शुक्रवार का दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण दिख रहा है। परिवार में किसी प्रियजन से अलग होने का दुख मन को परेशान कर सकता है। इस दौरान राजनीतिक या सामाजिक कार्यों में रुकावट खड़ी होने की संभावना बन रही है। लेकिन दोपहर के बाद नई योजनाओं की रूपरेखा तैयार हो सकती है। शुभ कार्यों में भागीदारी से मानसिक संतोष प्राप्त होगा। वहीं, शाम का समय किसी धार्मिक समारोह में शामिल होने से खुशी का वातावरण बना रहेगा।

कर्क राशि के जातकों के लिए शुक्रवार, 17 अक्टूबर का दिन भाग्योदय लेकर आया है। चंद्रमा के अनुकूल प्रभाव से व्यापार और साझेदारी में सफलता के योग बनते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान जीवनसाथी और कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का पूरा समर्थन मिलेगा। नौकरी करने वाले लोगों के लिए प्रमोशन के आसार नजर आ रहे हैं। आज के दिन मानसिक शांति बनी रहेगी। हालांकि अत्यधिक परिश्रम से थोड़ी थकान महसूस हो सकती है।

सिंह राशि के जातकों के लिए 17 अक्टूबर का दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। सामाजिक क्षेत्र में आपकी लोकप्रियता आज के दिन बढ़ती हुई दिख रही है। इस दौरान विरोधी

सक्रिय दिख रहे हैं। ऐसे में कामकाज के दौरान विशेष सतर्कता बरतें। एकादश भाव में गुरु का शुभ प्रभाव आपको पदोन्नति और आर्थिक लाभ मिल सकता है। कठिनाइयों के बावजूद आपके सभी कार्य सिद्ध होंगे।

कन्या राशि के जातकों के लिए आज का दिन सम्मान रहने वाला है। शनि और केतु का योग उत्तम संपत्ति प्राप्ति का संकेत दे रहा है। इस दौरान समाज में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। हालांकि जिम्मेदारियों में बढ़ोतरी से आपको थोड़ी असहजता महसूस हो सकती है। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि धैर्य बनाए रखें। शाम से रात तक पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। किसी शुभ समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

तुला राशि वालों के लिए आज का दिन लाभ से भरा रहने वाला है। शुक्र ग्रह के प्रभाव से भौतिक सुख-सुविधाओं में आज के दिन वृद्धि होगी। जीवनसाथी का आपको पूरा सहयोग प्राप्त होगा। इस दौरान कार्यक्षेत्र में सफलता के नए अवसर मिलेंगे और सम्मान में वृद्धि होगी। हालांकि शाम के समय किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका बनती हुई दिख रही है। ऐसे में आपको सतर्क रहना होगा।

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन परोपकार से भरा रहेगा। दूसरों की मदद करने करने का मौका मिलेगा, जिससे आपको मानसिक शांति प्राप्त होगी। कार्यस्थल पर आपके अधिकारों में वृद्धि होती दिख रही है। आज के दिन सहकर्मियों के अंदर आपके प्रति जलन की भावना पैदा हो सकती है। आपका शाम का समय धार्मिक गतिविधियों, देव दर्शन और भक्ति में बीतेगा।

धनु राशि के जातकों के लिए आज का दिन थोड़ा तनावपूर्ण रह सकता है। मंगल की स्थिति परिवार में अशांति और मतभेद उत्पन्न कर सकती है। ऐसे में आपको संयम से काम लेना होगा। परिजनों की सहायता करते समय थोड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। रात का समय परिजनों के साथ बिताने के लिए शुभ रहेगा।

मकर राशि के जातकों के लिए आज अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। किसी नई डील से लाभ प्राप्त होगा। हालांकि घर में किसी सदस्य की तबीयत खराब होने से मानसिक तनाव हो सकता है। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और जल्दबाजी से बचें। किसी दोस्त की स्कीम से दूरी बनाकर रखें। दिन के अंत तक आर्थिक स्थिति में सुधार होता दिखेगा।

कुंभ राशि के जातकों के लिए आज का दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। चंद्रमा के प्रभाव से किसी बड़ी सफलता का समाचार प्राप्त हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने से धन लाभ के योग बनेंगे। दिन के उत्तरार्ध में वैवाहिक जीवन में चर रही परेशानियां धीरे-धीरे समाप्त होंगी और रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। रात्रि का समय प्रियजनों के साथ आनंद में बीतेगा।

मीन राशि के जातकों के लिए आज का दिन ऊर्जा से भरपूर रहेगा। गुरु का प्रभाव करियर में प्रगति के संकेत दे रहा है। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा। युवा वर्ग के लोगों को आज अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा और कार्यक्षेत्र में सराहना होगी। शाम से रात्रि तक मेल-मिलाप और आनंद का माहौल रहेगा।

नौकरी कब मिलेगी और कब होगी कमाई, क्यों नौकरी में मिलने में आती है परैशानी और इसके उपाय

नौकरी कब मिलेगी कब आएंगे आपके अच्छे दिन। यह एक ऐसा सवाल है जो हर किसी के मन में आता है जब पढ़ाई पूरी हो जाती है। यह पढ़ाई के दरमियान भी मन में यह सवाल आना शुरू हो जाता। बचपन में माता पिता से बच्चे सुनते आते हैं कि अच्छे से पढाई करो जिससे अच्छी नौकरी मिलेगी तभी तो जीवन की खुशियों को पा सकोगे। ऐसे में यह सवाल हर किसी के मन में कभी न कभी जरूर ही आता है कि नौकरी कब मिलेगी और कहां किस क्षेत्र में नौकरी के योग बनेंगे। इस सवाल का जवाब आपको ज्योतिषशास्त्र में बहुत ही बेहतर तरीके से मिल सकता है। क्योंकि ज्योतिषशास्त्र आपके जीवन की बारीकियों को देखता और समझता है और ग्रहों की स्थिति का आकलन करके बता सकता है कि आपको कब और किस क्षेत्र में नौकरी मिल सकती है। इसके लिए लेकिन आपको किसी एक्सपर्ट ज्योतिषी से सलाह लेने की जरूरत होती है। फिलहाल आपको वह विशेष स्थिति बता रहे हैं जिससे आप समझ सकते हैं कि आपको कब नौकरी मिल सकती है। साथ ही इसके लिए आपको क्या उपाय करने की जरूरत

है। ज्योतिषशास्त्र में किसी भी व्यक्ति की कुंडली में स्थित दसवें भाव को महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इससे नौकरी और आपके कारोबार की स्थिति को देखा जाता है क्योंकि इसे कर्म भाव कहा गया है। यहां कुंडली में शुभ ग्रह बैठे हों या यहां पर शुभ ग्रहों जैसे सूर्य,चंद्रमा, बुध, गुरु और शुक्र विराजमान हो तो व्यक्ति को जल्दी नौकरी मिलने की संभावना रहती है। नौकरी भी अच्छी मिलती है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार जब कुंडली में कर्म भाव यानी दसवें भाव के स्वामी दशा आती है तो नौकरी मिलने का योग प्रबल रहता है। साथ ही कर्म भाव में जो ग्रह मौजूद रहता है उसकी दशा शुरू होने पर भी नौकरी मिलने का योग बनता है। साथ ही अगर लग्न और लग्नेश की दशा प्रबल हो तो उससे भी नौकरी मिलने का योग बनता है। साथ ही व्यक्ति अपने करियर में ऊंचाई पाता है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार आपकी आपकी कुंडली में सूर्य और शनि की अनुकूल स्थिति होने पर आपको सरकारी नौकरी मिलने की प्रबल संभावना रहती है। आप उच्च पद और प्रशासनिक पद पर भी विराजमान हो सकते हैं।

दोषियों पर कठोर कार्रवाई किए जाने की रखी मांग

आम आदमी पार्टी ने कफ़ सिरफ़ से हुई बच्चों की मौत पर सामूहिक श्रद्धांजलि केंडल प्रज्ज्वलित कर किया शोक व्यक्त

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

आम आदमी पार्टी के माध्यम से बुधवार देर रात्रि में शॉपिंग सेंटर में छिंदवाड़ा जिले के परासिया और आमला ब्लॉक में कफ सिरप की वजह से कल के गाल में 25 से अधिक बच्चों के समा जाने पर उन बच्चों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के अलावा कैंडल जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्य किया है। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता विनोद जगताप,अजय सोनी ने सिरप की प्रदेश में अनुमति देने वाले ड्रग्स इंस्पेक्टर सहित इसमें जितने लोग दोषी है उन पर कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। साथ ही इस कंपनी के जितने भी प्रोडक्ट मध्यप्रदेश के मेडिकल एवं सरकारी सप्लाई में है उन सब को डिस्मेंटल करके उनके सभी प्रोडक्ट पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी की गई है। आम आदमी पार्टी के कोर कमिटी मध्यप्रदेश सदस्य एवं राष्ट्रीय परिषद सदस्य अजय सोनी की अध्यक्षता में ब्लॉक अध्यक्ष सारनी रमेश भूमरकर की उपस्थिति में स्थानीय व्यापारी बंधुओ एवं आम आदमी पार्टी के सदस्यों द्वारा बुधवार को देर रात्रिकालीन न्यू शॉपिंग सेंटर सारनी में ज़हरीले कफ़ सिरफ़ से हुई मासूम बच्चों की मौत पर मौन धारण कर बच्चों की पुण्य आत्मा की शांति के लिए शोक व्यक्त करते हुए केंडल प्रज्ज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित कर नन्हें बच्चों की असमय हुई मौत पर श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्य किया है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में स्थानीय व्यापारियों के अलावा आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारी में वरिष्ठ नेता विनोद जगताप,रमेश भूमरकर,शिवकुमार तुमड़ाम,अजय सरनकर,प्रीतम भूमरकर,जगदीश अतुलकर,दीपक प्रजापति,राकेश सिंह,सुरेश जावलकर,संजय पासी,सिराज खान,मनोहर पचौरिया,सुनील लोखंडे समेत अन्य लोक श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

श्रम आयुक्त इंदौर से मुलाकात करके केंद्र और राज्य सरकार के अनुरूप वेतन देने की मांग

5 घंटे के स्थान पर 8 घंटे सेवा देने के बाद भी नहीं मिल रहा पूरा वेतन -बर्डे

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

संपूर्ण मध्यप्रदेश में शासकीय संस्थाओं में आउटसोर्सिंग और अंशकालीन कर्मचारियों को श्रम कानून के तहत कलेक्टर दर पर वेतन का भुगतान किए जाने को लेकर मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच का प्रतिनिधि मंडल ने श्रम कार्यालय डिप्टी कमिश्नर आशीष पालीवाल इन्दौर को ज्ञापन सौंपा कर केंद्र और राज्य सरकार के अनुरूप नियुक्तम 16 हजार और अधिकतम 26 हजार रुपए वेतन देने की मांग की है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश सचिव प्रमोद बर्डे ने बताया कि जनजातीय कार्य विभाग में वर्षों से कार्यरत दैनिक मजदूर अंशकालीन कर्मचारीयों को नियमित 8 घंटे सुचारू रूप से स्कूल, छात्रावास,आश्रम में कार्य लिया जाता है। लेकिन इन अल्प वेतन कर्मचारियों को विभाग द्वारा परिश्रमिक के रुप में मात्र 5 हजार रुपए भुगतान किया जाता है जबकि कलेक्टर के आदेश कि कंडिका क्र 7 में स्पष्ट रूप से उल्लेख है की अंशकालीन कर्मचारी 5 घंटे से अधिक कार्य करने पर दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी का आधा वेतन भुगतान किया जाएगा। लेकिन आज दिनांक तक इन अंशकालीन कर्मचारीयों को आधा वेतन भुगतान नहीं किया जा रहा है, श्रम कार्यालय डिप्टी कमिश्नर आदिवासी बाहुल्य जिला बैतूल सहित अन्य जिलों की समस्या श्रम आयुक्त के सामने रखने का कार्य किया गया है जिस पर उन्होंने ने आश्वासन दिया कि जल्दी ही जायज मांगों का निराकरण किया जायेगा। श्रम आयुक्त से मुलाकात करने वालों में मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के प्रतिनिधि मंडल में शामिल प्रदेश उपाध्यक्ष महेंद्र सारस, प्रदेश सचिव प्रमोद बरडे, जिला सलाहकार बैतूल जयवंती उईके,ब्लाक उपाध्यक्ष लोनिया बारस्कर, ब्लाक सचिव शोहन इवने,सह सचिव रेशमा इवने,सह कोषाध्यक्ष पूजा अखंडे समेत अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दिव्यांगजन स्वावलंबन की ओर पहल स्पर्श मेले में ग्राम भारती महिला मंडल की सहभागिता

भारती महिला मंडल ने अपने आचार एवं हस्तशिल्प सामग्री के साथ सहभागिता की

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

संयुक्त जिला कलेक्ट्रेट परिसर में गुरुवार को प्रातः 10 बजे से "स्पर्श मेला" का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य जिले के दिव्यांगजन को आत्मनिर्भर बनाना एवं उनके स्वनिर्मित उत्पादों को बाजार से जोड़ना रहा। इस अवसर पर दुर्गादास उइके (केंद्रीय "राज्य" मंत्री (जनजाति मामले) एवं सांसद बैतूल- हरदा- हरसूद लोक सभा क्षेत्र) एवं हेमंत खंडेलवाल (प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी म.प्र एवं विधायक बैतूल विधानसभा क्षेत्र)द्वारा कार्यक्रम में स्टाल का शुभारंभ किया गया। मेले में ग्राम भारती महिला मंडल ने अपने आचार एवं हस्तशिल्प सामग्री के साथ सहभागिता की। संस्था द्वारा साथिया,संगम, बागवान दिव्यांगजन स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए आकर्षक उत्पाद प्रदर्शित और विक्रय के लिए रखे गए।जिले में दिव्यांगजन की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने तथा उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रकार के आयोजन अत्यंत सराहनीय हैं। दीपावली पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित "स्पर्श मेला" ने स्थानीय जनों को न केवल हस्तनिर्मित उत्पादों से जोड़ने का अवसर दिया,बल्कि दिव्यांगजन की मेहनत और हुनर को पहचान दिलाने का भी कार्य किया।

बालिकाओं के लिए यह दिवाली उत्साह और उमंग भरी

दीपावली पर बालिकाओं के चेहरों पर खिला उल्लास ग्राम भारती महिला मंडल द्वारा वात्सल्य गृह में किया उपहार वितरण

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

दीपावली के शुभ अवसर पर ग्राम भारती महिला मंडल द्वारा संचालित बालिका गृह (वात्सल्य गृह) में खुशियों का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग से जिला कार्यक्रम अधिकारी गौतम अधिकारी,बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अभिषेक जैन द्वारा बालिका ग्रह की बालिकाओं को मिठाई पटाखे एवं संस्था की अध्यक्ष भारती अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति के साथ कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं संस्था प्रतिनिधियों द्वारा बालिका गृह की बालिकाओं को नए कपड़े, मिठाई,फटाके एवं अन्य दीपावली सामग्री भेंट की गई। उपहार पाकर बालिकाओं के चेहरों पर अपार खुशी झलक उठी। इस अवसर पर गौतम अधिकारी एवं अभिषेक जैन ने बालिकाओं को स्वच्छता के महत्व,स्वास्थ्य सुरक्षा तथा सैनिटाइजर के नियमित उपयोग के प्रति जागरूक किया। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वच्छता ही स्वास्थ्य की कुंजी है और सभी को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की आदत विकसित करनी चाहिए। संस्था अध्यक्ष भारती अग्रवाल ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी दीपावली पर्व को बालिकाओं के साथ मनाने का उद्देश्य उन्हें परिवार जैसा स्नेह और अपनापन देना है। दीपों की इस पावन रोशनी में वात्सल्य गृह का वातावरण हर्ष और उमंग से भर गया सचमुच यह दीपावली बालिकाओं के लिए यादगार बन गई है।

समाजसेवी कांग्रेसी नेता स्व.अवधेश सिंह की तृतीय स्मृति में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बाबा मठारदेव वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों को भोजन कराकर वस्त्र दान किया गया

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

गुरुवार को कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा के कांग्रेसी नेता एवं समाजसेवी स्व.अवधेश सिंह की तृतीय स्मृति के अवसर पर विक्की साइनिंग स्टार के माध्यम से सारनी के बाबा मठारदेव वृद्ध आश्रम पहुंचकर आश्रम में निवास करने वाले बुजुर्ग महिला पुरुष को भोजन वितरण करने के अलावा वस्त्र दान करने का कार्य किया गया। स्व.अवधेश सिंह के जेस्ट पुत्र विक्की सिंह ने बताया कि उनके माध्यम से उत्तर भारतीयों के अलावा समाज के वह दबे कुचे लोग जिनकी आवाज कोई नहीं सुनता था उनकी आवाज को बुलंद करने का कार्य उनके माध्यम से किया जाता था। इस अवसर पर स्व.अवधेश सिंह से संबंधित कई यादगार पलों को उपस्थित लोगों को बताने का कार्य उनके परिजनों के माध्यम से किया गया उनके तीसरी पुण्य स्मृति को देखते हुए परिजनों एवं विक्की साइन स्टार के संयुक्त तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर कांग्रेस के सारनी ब्लॉक कार्यवाहक अध्यक्ष बटेश्वर भारती,देवानंद सिंह, वसीम खान,किरण झारबडे, गौतम नागले,चंदू यादव,बाबू सिंह,दयानंद सिंह,रूपेश पांडे सार्थक सिंह सहित अन्य लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष ने प्रदेश का सबसे भ्रष्ट नगर पालिका कहा सारनी को

नगरी प्रशासनिक मंत्री और आयुक्त को पत्र लिखकर ऑफ-लाइन खरीदी की जांच की उठी मांग

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

बैतूल जिले की सबसे बड़ी नगर पालिका परिषद सारनी में ऑफ-लाइन खरीदी किए जाने का मामला अब तूल पकड़ने लगा है,सामग्री आपूर्ति पद्धति के माध्यम से 5 करोड़ से ज्यादा की सामग्री नगर पालिका में खरीदी गई है। इसकी जांच की मांग कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद इलियास के माध्यम से नगरी प्रशासनिक मंत्री कैलाश विजयवर्गी एवं नर्मदा पुरम के आयुक्त को पत्र लिखकर सारनी के बिजली विभाग द्वारा खरीदी की जांच की मांग की गई है,बताया जाता है कि नगर पालिका परिषद सारनी में बिजली विभाग में इन दोनों ज्यादा खास झोल चल रहा है,75 व्हाट डिवाइड की डिमांड की गई है जिसकी खरीदी 823 रुपए के हिसाब से नगर पालिका करने जा रही है जबकि इंडियामार्ट और गवर्नमेंट पोर्टल जेम में इसकी कीमत 452 रुपए जीएसटी सहित बताई जा रही है,इसके अलावा 60 वाट का प्लेट जिसकी कीमत 280 रुपए के हिसाब से नगर पालिका सामान खरीद रही है जबकि इंडियामार्ट और जेम में इसकी कीमत जीएसटी सहित 60 रुपए अंकित है।साथ ही 45 वाट का प्लेट जो 280 रुपए में खरीदा जा रहा है जबकि दोनों ही पोर्टल पर इसकी कीमत जीएसटी सहित 220 रुपए आकी गई है, 24 वाट के टी 5 पावर सर्वर राड जिसकी कीमत 39 रुपए है। लेकिन बिजली विभाग इसे 97 रुपए में खरीदने जा रहा है। इससे भी आश्चर्य की बात तो यह है कि 63 व्हाट का 3 फेस स्विच जिसका परचेस 5700 में नगर पालिका का बिजली विभाग खरीद रहा है वह इंडियामार्ट सहित दूसरे पोटलों पर 1499 रुपए जीएसटी सहित होना बताया जा रहा है। कई ऐसी सामग्री है जो ऑन-लाइन कम दर पर उपलब्ध है उसके बाद भी ऑफ-लाइन फाइल निकालकर अपने चाहितों को लाभ पहुंचाने की वजह से नगर पालिका बाजार से दोगुना मूल्य में सामग्री की खरीदी कर रही है। आश्चर्य की बात तो यह है कि गवर्नमेंट ई पोर्टल जेम और इंडियामार्ट जैसे बड़े प्लेटफार्म ऑनलाइन उपलब्ध है। जहां पर सुई से लेकर बड़े से बड़े सामानों की बिक्री और खरीदी की जाती है लेकिन नगर पालिका परिषद सारनी के बिजली विभाग में बैठे अधिकारी कर्मचारी अपने चाहते ठेकेदारों को उत्कृष्ट करने के उद्देश्य राज्य सरकार के पैसों का बंदर बाट लगाने में जुटे हुए हैं।यदि नगरी प्रशासनिक मंत्री एवं नर्मदा पुरम के आयुक्त नगरी निकाय के द्वारा सामग्री आपूर्ति पद्धति के माध्यम से एक वर्ष में कितनी खरीदी की गई है इसकी स्पष्ट और निष्पक्ष जांच हो जाएगी तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। इससे भी आश्चर्य की बात तो यह है कि नगर पालिका परिषद सारनी में जो भी बिजली से संबंधित सामान खरीदा जा रहा है वह डीलर के बजाय फुटकर विक्रेता से खरीदा जा रहा है और उसे समान का टेस्ट रिपोर्ट भी नहीं लगाया जा रहा है जिसकी वजह से नगर पालिका परिषद सारनी को ज्यादा नुकसान उठाना पड़ रहा है आखिर नगर पालिका के अधिकारी वह कौन सा ठेकेदार है जिसे प्रति माह चार से पांच ऑफ-लाइन काम दे रहे हैं और इस ऑफ-लाइन काम से नगर पालिका के किन जनप्रतिनिधि और कर्मचारियों अधिकारियों को सीधा लाभ पहुंच रहा है इसकी जांच हो जाएगी तो मामला स्पष्ट हो जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949